Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
वेलकम इंडिया
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 193 | बुधवार, 22 जुलाई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

राहुल-प्रियंका-अखिलेश ने घेरा प्रधानमंत्री आवास

दिल्ली पुलिस ने घंटों हिरासत में रखा, देर शाम किया रिहा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने विपक्षी सांसदों को हिरासत में लिया था, जिसमें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सपा मुखिया अखिलेश यादव और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भी शामिल थीं।

पुलिस ने सभी विपक्षी नेताओं को हिरासत से रिहा कर दिया है। दिल्ली पुलिस राहुल गांधी को छत्रसाल स्टेडियम लेकर गई थी, जहां से उन्हें रिहा किया गया है। अखिलेश यादव को भी पुलिस छत्रसाल स्टेडियम में लेकर गई थी जहां से उन्हें भी रिहा किया गया है।

मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन पहुंची थीं सोनिया

बता दें कि कांग्रेस संसदीय दल की चेयरपर्सन सोनिया गांधी मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन पहुंची थीं। प्रधानमंत्री आवास के सामने प्रदर्शन कर रहे विपक्षी नेताओं को पुलिस हिरासत में लेकर यहीं पर लाई थी। जैसे ही सोनिया गांधी को इसकी खबर हुई, वह तुरंत मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन पहुंच गई थी।

विपक्ष के नेताओं को बोलने नहीं दिया जाता: प्रियंका

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने हिरासत से रिहा होने के बाद कहा, 'अगर विपक्ष के नेता पार्लियामेंट में बोलना चाहते हैं, तो उन्हें बोलने नहीं दिया जाता। अगर हम प्रोटेस्ट करने की परमिशन मांगते हैं, तो वह परमिशन नहीं दी जाती। इसलिए हम ऐसी जगह गए जहां उन्हें हमारी बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी। प्रियंका गांधी वाड्रा ने आगे कहा, 'हमारे देश के बच्चों, हमारे देश के भविष्य की बात सुनने में क्या दिक्कत है? उनकी एक सच्ची मांग है। उनके प्रतिनिधि होने के नाते, उनकी आवाज उठाना और उन्हें मजबूत बनाना हमारी ज़िम्मेदारी है। डेमोक्रेसी में विरोध करना एक बुनियादी अधिकार है। हम जहां भी जरूरत होगी, अपनी आवाज उठाएँगे। हमारी मांग साफ है और शुरू से वही है। हमें टूटे हुए एजुकेशन सिस्टम को ठीक करना है। धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना होगा। पार्लियामेंट में चर्चा होनी चाहिए और स्टूडेंट्स की बात सुनी जानी चाहिए। वंदे मातरम का क्या मतलब है? अपनी मातृभूमि का सम्मान करना। हमारी मातृभूमि डेमोक्रेसी है। ये बच्चे कौन हैं? इन्होंने ही हमें वोट देकर पार्लियामेंट में भेजा है। एजुकेशन सिस्टम में बदलाव के लिए बिल क्यों नहीं लाया जा रहा है? अडानी–अंबानी के 16 लाख करोड़ रुपये के लोन माफ कर दिए गए। लेकिन पूरे देश की एजुकेशन पर सिर्फ.1.4 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए।'

सरकार को स्टूडेंट्स की मांगें मान लेनी चाहिए: अखिलेश यादव

रिहा होने के बाद अखिलेश यादव ने कहा, 'सरकार को स्टूडेंट्स की मांगें मान लेनी चाहिए। जहां तक सरकार द्वारा स्टूडेंट्स और युवाओं के साथ किए गए अन्याय की बात है, जिस तरह से उन्हें पीटा गया, उनके सिर फोड़ दिए गए और उनकी हड्डियां तोड़ दी गईं। यहां तक कि छात्राओं के कपड़े भी फाड़ दिए गए। क्या लोकतंत्र में सरकार से इस तरह के व्यवहार की उम्मीद की जाती है, वह भी शांतिपूर्ण विरोध के दौरान। हम इस मुद्दे को सदन में उठाएंगे।' कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने कहा, 'राहुल गांधी और हम सभी को हिरासत में लेकर छत्रसाल स्टेडियम लाया गया। मांग वही है– शिक्षा मंत्री का इस्तीफा, साथ ही इस पर पार्लियामेंट में बहस हो।' दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुए लाठी चार्ज के विरोध में कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और सांसद प्रियंका गांधी कांग्रेस सांसदों के साथ धरने पर बैठे थे।

नीट अभ्यर्थियों को पीएम मोदी की गारंटी

'आपकी मेहनत बेकार नहीं जाएगी, दोषियों पर होगी कड़ी कानूनी कार्रवाई'

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा में धांधली और पेपर लीक के मुद्दों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकार का रुख पूरी तरह साफ कर दिया है। मंगलवार को एनडीए संसदीय दल की 'मंगल मिलन' बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने छात्रों को आश्वस्त किया कि उनके भविष्य के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता व जवाबदेही तय की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भरोसा दिलाया कि छात्रों के भविष्य के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा और कहा कि NEET परीक्षा में गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। NDA की 'मंगल मिशन' बैठक में बोलते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार छात्रों के हितों की रक्षा करने और परीक्षा प्रणाली में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। NDA बैठक में नेताओं को संबोधित करते हुए, PM मोदी ने कहा कि सरकार किसी भी गड़बड़ी के कारण छात्रों का भविष्य खराब नहीं होने देगी। उन्होंने कहा, 'हम छात्रों के भविष्य को नुकसान पहुंचाने वाली किसी भी चीज की इजाजत नहीं देंगे।' प्रधानमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि NEET परीक्षा में गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार पाए जाने वालों को कड़ी सजा दी जाएगी। 'NEET में गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्हें जेल भेजा जाएगा।' प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक होना एक राष्ट्रीय चिंता का विषय है और इस संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सभी राज्यों से भी अपील की कि जहाँ कहीं भी ऐसी गड़बड़ियाँ सामने आएं, वहां बिना किसी ढिलाई के त्वरित व सख्त कार्रवाई की जाए।

'यह जश्न मनाने का नहीं बल्कि जवाबदेही तय करने का दिन है', खरगे ने बताया क्यों नहीं मनाएंगे अपना जन्मदिन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे आज 84 साल के हो चुके हैं और वह अपना जन्मदिन नहीं मनाएंगे। उन्होंने कहा कि देश ने सरकार द्वारा शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक विरोध-प्रदर्शन को कुचलने, लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले छोड़े जाने की घटनाएं देखी हैं।

इन दुखद हालात को देखते हुए उन्होंने अपना जन्मदिन न मनाने का फैसला किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि आज का दिन जश्न मनाने का नहीं, बल्कि जवाबदेही तय करने और लोकतंत्र को बहाल करने का है।

खरगे ने आगे लिखा, 'कल देश ने सरकार द्वारा शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक विरोध-प्रदर्शन को कुचलने, लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले छोड़े जाने की घटनाएं देखीं। न्याय की मांग कर रहे छात्रों की आवाज का जवाब देने के बजाय उन पर बल प्रयोग किया गया।'

'दुखद हालात में जन्मदिन नहीं मनाऊंगा'

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि 'लोकतंत्र की जननी' अपने युवा बच्चों के साथ ऐसा व्यवहार नहीं करती। सोमवार को हुए संसद चलो विरोध प्रदर्शन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'इन दुखद हालात में मैंने आज अपना जन्मदिन न मनाने का फैसला किया है।'

खड़गे ने कहा, 'मैं कांग्रेस के सभी नेताओं, कार्यकताओं, समर्थकों, शुभचिंतकों और हर उस नागरिक का बहुत आभारी हूं जिन्होंने मुझे शुभकामनाएं भेजी हैं। आपका प्यार मेरे लिए बहुत मायने रखता है और मैं आप सभी का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं।'

खरगे ने किया सवाल

उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन आज जश्न मनाने का दिन नहीं है। यह जवाबदेही तय करने का दिन है। लोकतंत्र को बहाल करें।' उन्होंने सवाल किया कि न्याय की मांग कर रहे छात्रों पर बेरहमी से लाठीचार्ज क्यों किया गया और आंसू गैस क्यों छोड़ी गई।

खड़गे ने कहा, 'संसद को लगभग सील क्यों कर दिया गया और इंटरनेट क्यों बंद कर दिया गया? बार-बार पेपर लीक होने और लाखों युवाओं की परेशानी के लिए कौन जिम्मेदारी लेगा?' उन्होंने मांग की कि सरकार को तुरंत संसद में इस मुद्दे पर पूरी चर्चा की इजाजत देनी चाहिए।

सोनम वांगचुक को तत्काल मेदांता शिफ्ट करें, दिल्ली हाईकोर्ट का बड़ा आदेश

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोनम वांगचुक को तुरंत उनकी पसंद के अस्पताल मेदांता, गुरुग्राम शिफ्ट करने का आदेश दिया है। उनकी पत्नी गीतांजलि आंग्मो ने कोर्ट से मांग की थी कि वांगचुक को इलाज के लिए मेदांता भेजा जाए। अदालत ने माना कि अपनी पसंद के अस्पताल में इलाज पाना मरीज का मौलिक अधिकार है, इसलिए उन्हें बिना किसी देरी के वहां शिफ्ट किया जाए। मंगलवार को हुई सुनवाई के दौरान एम्स एवं सफदरजंग अस्पताल के डॉक्टर भी मौजूद थे। मेडिकल रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि वांगचुक के शरीर में पोटेशियम का स्तर कम है। इसके अलावा टीएलसी (TLC) से जुड़ी रिपोर्ट में भी चिंताजनक बातें सामने आई हैं। इन परिस्थितियों को देखते हुए कोर्ट ने माना कि उनकी सेहत पर लगातार विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी बेहद जरूरी है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने साफ किया कि सरकार को सोनम वांगचुक को मेदांता में भर्ती कराने पर कोई आपत्ति नहीं है। सभी पक्षों की सहमति के बाद हाईकोर्ट ने तत्काल शिफ्टिंग का निर्देश दिया। साथ ही मेदांता के डॉक्टरों को उनकी सेहत पर लगातार नजर रखने को कहा है। हाईकोर्ट ने मेदांता अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर को निर्देश दिया कि वांगचुक के इलाज के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम बनाई जाए। यही टीम उनकी सेहत पर लगातार नजर रखेगी और जरूरत के मुताबिक इलाज करेगी। अदालत ने यह भी कहा कि डॉक्टर जिस तरह की दवा या इलाज जरूरी समझें, वांगचुक को उसी मेडिकल सलाह का पालन करना होगा। इलाज स्वीकार्य चिकित्सा मानकों के अनुसार किया जाएगा।

असम में उफान पर नदियां, 10 लोगों की मौत, 3.62 लाख लोग प्रभावित; बिगड़े हालात

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। असर के कई जिलों में बाढ़ का कहर जारी है। राज्य के 3 l62 लाख से अधिक लोग इससे प्रभावित हैं। स्थिति से निपटने के लिए सेना, नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स, स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फोर्स, फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज और जिला प्रशासन राहत एवं बचाव कार्य में लगे हुए हैं। असम राज्य आपदा कंट्रोल अथॉरिटी के अनुसार, शिवसागर जिला सबसे ज्यादा प्रभावित है, यहां करीब 1.58 लाख लोग बाढ़ की चपेट में हैं। जिले में दिखौ नदी का वॉटर लेवल 'एक्सट्रीम फ्लड लेवल' से ऊपर बह रहा है। लगातार बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से नदी के किनारे जाने से बचने की अपील की है। अधिकारियों के मुताबिक, बिस्वनाथ, कछार, चराइदेव, चिरांग, धेमाजी, डिब्रूगढ़, गोलाघाट, जोरहाट, कामरूप, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, कार्बी आंगलोंग, नगांव, शिवसागर, तिनसुकिया और उदालगुड़ी जिलों में कुल 3.62 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। बचाव के लिए 11 जिलों में 101 राहत शिविर केंद्र बनाए गए हैं, जहां 9,606 बेघर लोग शरण लिए हुए हैं। इस साल बाढ़ से अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि चराइदेव और कार्बी आंगलोंग जिलों में दो लोग लापता बताए जा रहे हैं। बाढ़ का असर रेलवे पर भी पड़ा है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, नॉर्थ फ्रंटियर रेलवे ने शिवसागर जिले के सिमालुगुड़ी कस्बे के आसपास जलभराव के कारण सिमालुगुड़ी-नामटियाली और सिमालुगुड़ी-सेलेंघाट रेलखंड पर ट्रेन संचालन अस्थायी रूप से सस्पेंड कर दिया है। NFR ने यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। अधिकारियों के अनुसार, ये स्पेशल ट्रेनें शुक्रवार तक चलेंगी। इसके अलावा, मरियानी और गुवाहाटी के बीच कुछ एक्सप्रेस ट्रेनों का रेगुलर संचालन भी जारी है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि बचाव कार्यों की निगरानी के लिए कैबिनेट मंत्रियों को प्रभावित जिलों में तैनात किया गया है। वहीं, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के सांसदों और विधायकों को भी मौके पर रहकर राहत कार्यों की निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं।

सिंधु जल समझौते का भविष्य पाक की ओर से आतंकवाद खत्म करने पर निर्भर, भारत की दो टूक चेतावनी

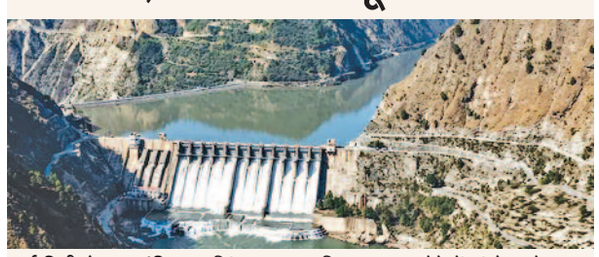

नई दिल्ली(वेलकम इंडिया)। सिंधु जल समझौता (आईडब्ल्यूटी) अपने मौजूदा स्वरूप में फिर से काम नहीं करेगा क्योंकि पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ सीमा पार से आतंकवाद को खत्म करने का कोई संकेत नहीं दिया है जोकि करीब 65 साल पुरानी इस संधि को फिर से शुरू करने के लिए एक आवश्यक शर्त है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। दूसरे शब्दों में कहें तो भारत इसे तब तक स्थगित रखेगा जबकि पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन देना बंद नहीं करता। सूत्रों ने कहा कि भविष्य में नदी जल बंटवारे से जुड़े प्रविधानों को फिर से लागू करने के लिए इस समझौते में संशोधन के साथ नए सिरे से बातचीत करनी होगी। हालांकि, यह कदम इस बात पर निर्भर करेगा कि पाकिस्तान भारत के खिलाफ आतंकवाद को समर्थन देना स्थायी रूप से बंद करे। उनके अनुसार, पाकिस्तान यह फेक नैरेटिव फैलाने की कोशिश कर रहा है कि भारत की ओर से संधि को स्थगित रखने के फैसले के कारण जल संकट पैदा हो रहा है। हकीकत यह है कि पाकिस्तान को मिलने वाले पानी की बड़ी मात्रा उसके अपने भंडारण ढांचे की कमी, बड़े पैमाने पर रिसाव और उसके प्रांतों के बीच चल रहे जल बंटवारे के विवादों के कारण बर्बाद हो जाती है।

यूपी में भीम आर्मी पार्टी से विधानसभा चुनाव लड़ेंगे अभिजीत दीपके? बीजेपी सांसद ने किया दावा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सोशल मीडिया की उपज कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन को लेकर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने मंगलवार को दावा किया कि सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके भविष्य में भीम आर्मी के टिकट पर चुनाव लड़ते दिखाई देंगे, क्योंकि हर बड़े आंदोलन से राजनीतिक नेता निकलते हैं। झारखंड के गोड्डा से सांसद ने कहा कि यह आंदोलन अभी भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना नेता मानता है और अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उनकी ओर देखता है। दुबे ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा, 'हर आंदोलन से राजनीतिक नेता निकले हैं। जेपी आंदोलन से लालू प्रसाद यादव जैसे नेता निकले। अरविंद केजरीवाल भी अन्ना हजारे के आंदोलन से ही सामने आए।' उन्होंने आगे कहा, 'अभिजीत दीपके भी भविष्य में चुनाव लड़ सकते हैं। नेपाल में भी जेन जी आंदोलन से जुड़े लोग आखिरकार किसी राजनीतिक पार्टी में शामिल हो गए। इसी तरह अभिजीत दिपके भी किसी राजनीतिक पार्टी में शामिल होंगे। मैं पूरे यकीन के साथ कह सकता हूं कि वह भीम आर्मी के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे।' नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर सोमवार को हजारों लोग कॉकरोच जनता पार्टी के चलो संसद मार्च में शामिल हुए। वहीं, दुबे ने दावा किया कि दीपके के आसपास नारे लगाने वाले लोग भीम आर्मी के समर्थक थे। उन्होंने आरोप लगाया, 'अभिजीत दीपके के आसपास नारे लगाने वाले लोग भीम आर्मी के समर्थक हैं और वे लोग भी हैं जिन्होंने सीएए का विरोध किया था, जिनमें ओखला के लंबे विरोध प्रदर्शन से जुड़े लोग भी शामिल हैं। उनका एजेंडा साफ है।' दुबे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक के दौरान युवाओं से जुड़े मुद्दों पर बात की। उन्होंने कहा, 'यह आंदोलन अभी भी प्रधानमंत्री मोदी को अपना नेता मानता है। अगर युवाओं का किसी पर भरोसा है तो वह प्रधानमंत्री मोदी हैं। इस आंदोलन से जुड़े युवाओं ने बार-बार एक ही बात कही है - प्रधानमंत्री तक यह बात पहुंचाई जाए कि इन मामलों में पारदर्शिता होनी चाहिए और जिम्मेदार लोगों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने भी आज अपने संबोधन में इस बारे में बात की।'

जब उनसे अअढ प्रमुख अरविंद केजरीवाल के मोदी को 'देश का सबसे बड़ा देश-विरोधी' कहने के बारे में पूछा गया तो दुबे ने कहा कि इस पर कोई प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, 'अगर सड़क पर चलता हुआ कोई व्यक्ति कोई टिप्पणी करता है तो क्या प्रधानमंत्री उस पर प्रतिक्रिया देंगे? क्या प्रधानमंत्री को ऐसे हर बयान पर प्रतिक्रिया देनी चाहिए?' बीजेपी सांसद ने केजरीवाल पर पंजाब में ड्रग्स की समस्या को हल न कर पाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'अरविंद केजरीवाल क्या अच्छा काम कर रहे हैं? आप पंजाब के हालात जानते हैं। उन्होंने पंजाब के लिए क्या किया है? अगर पंजाब ड्रग्स का अड्डा बन गया है, अगर युवा मर रहे हैं और पूरा राज्य परेशान है तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? उन्होंने कहा, 'लोकपाल आंदोलन अन्ना हजारे की वजह से शुरू हुआ था लेकिन जब केजरीवाल मुख्यमंत्री थे तो क्या वे कभी अन्ना हजारे से मिलने गए? क्या लोकपाल लागू हुआ? क्या दिल्ली में लोकपाल नियुक्त किया गया? आप किस तरह के लोगों की बात कर रहे हैं?'

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के इस बयान पर कि सीजेपी विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रों पर कथित पुलिस बर्बरता के लिए प्रधानमंत्री को उनसे माफी मांगनी चाहिए, दुबे ने कहा कि इसके बजाय

संपादक की कलम से

राष्ट्रीय ध्वज: राष्ट्र की अखंडता का अमर प्रतीक

ललित शर्मा
संपादक

राष्ट्रीय ध्वज किसी भी राष्ट्र का सबसे गौरवपूर्ण प्रतीक होता है। वह केवल रंगों से सजा हुआ एक वस्त्र नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की सामूहिक चेतना, उनके संघर्ष, उनके बलिदान, उनकी संस्कृति और उनके भविष्य के सपनों का सजीव स्वरूप होता है। जब कोई राष्ट्र अपने ध्वज को सम्मानपूर्वक फहराता है, तब वह केवल एक झंडा नहीं लहराता, बल्कि अपने इतिहास, अपने स्वाभिमान और अपनी राष्ट्रीय अस्मिता को विश्व के समक्ष प्रतिष्ठित करता है। भारत में हर साल 22 जुलाई को राष्ट्रीय ध्वज दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य कारण यह है कि 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा द्वारा स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगे) को आधिकारिक रूप से अपनाया गया था। यह दिवस हमें अपने राष्ट्रीय गौरव, स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और ध्वज रूपी प्रतीक–जैसे साहस, शांति और समृद्धि की याद दिलाता है। भारत का तिरंगा भी इसी गौरव, त्याग, एकता और आत्मविश्वास का प्रतीक है। इसकी प्रत्येक लहराती हुई धारा स्वतंत्रता संग्राम के उन असंख्य ज्ञात–अज्ञात वीरों की स्मृति को जीवित करती है, जिन्होंने अपने प्राणों का उत्सर्ग कर इस ध्वज को सम्मान दिलाया। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज हमारे संविधान की मूल भावना, लोकतांत्रिक मूल्यों और विविधता में एकता की महान परंपरा का प्रतिनिधि है। भारत अनेक भाषाओं, धर्मों, संस्कृतियों और परंपराओं वाला विशाल देश है, लेकिन जब तिरंगा आकाश में लहराता है तो सारी विविधताएं एक राष्ट्रीय पहचान में समाहित हो जाती हैं। यही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। वह हमें यह स्मरण कराता है कि हमारी व्यक्तिगत पहचान से ऊपर हमारी राष्ट्रीय पहचान है और राष्ट्र सर्वोपरि है। राष्ट्रीय ध्वज का महत्व केवल राष्ट्रीय पर्वों तक सीमित नहीं है। यह प्रत्येक नागरिक के जीवन में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और कर्तव्यबोध का संस्कार जगाने वाला प्रेरणा–स्रोत है। विद्यालयों में ध्वजारोहण, सेना के शिविरों में तिरंगे को सलामी, खिलाड़ियों द्वारा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में तिरंगे के साथ विजय–उत्सव तथा वैज्ञानिकों द्वारा अंतरिक्ष अभियानों में राष्ट्रीय ध्वज का प्रदर्शन–ये सभी दृश्य हमें यह अनुभव कराते हैं कि ध्वज केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय गौरव की जीवंत अभिव्यक्ति है। भारतीय तिरंगे का प्रत्येक रंग अपने भीतर एक गहन संदेश समेटे हुए है। केसरिया रंग हमें त्याग, साहस और निस्वार्थ नेतृत्व की प्रेरणा देता है। यह बताता है कि राष्ट्र के निर्माण में व्यक्तिगत स्वार्थों का नहीं, बल्कि समर्पण और बलिदान का महत्व है। सफेद रंग सत्य, शांति और पारदर्शिता का प्रतीक है। यह हमें जीवन और शासन दोनों में नैतिकता तथा सद्भाव बनाए रखने का संदेश देता है। हरा रंग समृद्धि, प्रकृति, कृषि और विकास का प्रतीक है, जो भारत की जीवनदायिनी धरती और उसके उज्ज्वल भविष्य की ओर संकेत करता है। इन तीनों रंगों के मध्य स्थित गहरे नीले रंग का अशोक चक्र गतिशीलता, न्याय, धर्म और सतत प्रगति का संदेश देता है। यह हमें याद दिलाता है कि ठहराव मृत्यु है और निरंतर आगे बढ़ना ही जीवन का नियम है। राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि वह केवल वर्तमान पीढ़ी का नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की राष्ट्रीय चेतना का आधार है। यदि किसी समाज में राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान कम होने लगे, तो धीरे–धीरे राष्ट्रीय एकता, सामाजिक विश्वास और सामूहिक उत्तरदायित्व भी कमजोर होने लगते हैं। राष्ट्र पहले भावनाओं से जुड़ता है, बाद में व्यवस्थाओं से। राष्ट्रीय ध्वज उन्हीं भावनाओं का सबसे शक्तिशाली माध्यम है।

सत्ता, सिस्टम और सन्नाटा: आम आदमी की आवाज आखिर कौन सुनेगा?

एन0के0शर्मा
लेखक

लोकतंत्र में सबसे बड़ा संकट तब पैदा नहीं होता जब जनता सरकार से असहमत होती है; सबसे बड़ा संकट तब पैदा होता है जब जनता बोलना छोड़ देती है-या बोलते-बोलते थक जाती है। जब शिकायतें लिखी जाती हैं, पर पढ़ी नहीं जातीं; जब आवेदन जमा होते हैं, पर फाइलों में दफन हो जाते हैं; जब न्याय की उम्मीद में नागरिक दरवाजे-दरवाजे भटकता है और हर दरवाजे के पीछे उसे एक नया दरवाजा दिखा दिया जाता है-तब लोकतंत्र जीवित तो दिखाई देता है, लेकिन भीतर से खोखला होने लगता है।

आज आम आदमी का सबसे बड़ा संकट केवल महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार या प्रशासनिक लापरवाही नहीं है। उससे भी बड़ा संकट यह है कि उसे यह विश्वास नहीं रहा कि उसकी आवाज कहीं सुनी जाएगी। वह कर देता है, नियम मानता है, कानून का पालन करता है, सरकारों को चुनता है, व्यवस्था को चलाने के लिए अपना श्रम और संसाधन देता है-लेकिन जब उसी व्यवस्था से अपने अधिकार का एक छोटा-सा हिस्सा मांगता है, तो उसे ऐसी भूलभुलैया में धकेल दिया जाता है, जहाँ हर रास्ता किसी न किसी मेज, फाइल, मुहर, अनुमति, प्रतीक्षा और ह्यदेखते हैंह्ण पर जाकर समाप्त हो जाता है।

यह कैसी व्यवस्था है जिसमें नागरिक की जिम्मेदारियां तत्काल हैं, लेकिन सरकार की जवाबदेही अनिश्चित? नागरिक से कर समय पर चाहिए, दस्तावेज समय पर चाहिए, शुल्क समय पर चाहिए, अनुपालन समय पर चाहिए; मगर सरकारी कार्यालय में वर्षों से लंबित फाइल के लिए कोई समय-सीमा नहीं। नागरिक एक दिन भी देर करे तो दंड, ब्याज, नोटिस और कार्रवाई; विभाग वर्षों तक निर्णय न ले तो उसके लिए कोई दंड नहीं, कोई जवाबदेही नहीं, कोई सार्वजनिक हिसाब नहीं।

यहीं से सत्ता और नागरिक के बीच वह खाई पैदा होती है, जो धीरे-धीरे अविश्वास की खाई बन जाती है।

सत्ता का मूल उद्देश्य जनता पर शासन करना नहीं, जनता की सेवा करना है। सरकार कोई राजा नहीं, संवैधानिक दायित्वों से बंधी संस्था है। अधिकारी जनता के मालिक नहीं, सार्वजनिक सेवक हैं। कार्यालय किसी सामंती दरबार के कक्ष नहीं, नागरिकों के अधिकारों के प्रशासनिक केंद्र हैं। लेकिन व्यवहार में अक्सर तस्वीर उलट दिखाई देती है। नागरिक याचक बन जाता है, अधिकारी निर्णायक। जनता विनती करती है, व्यवस्था आदेश देती है। नागरिक अपनी ही समस्या के समाधान के लिए प्रमाण प्रस्तुत करता रहता है, जबकि व्यवस्था अपने विलंब, उपेक्षा और निष्क्रियता का कोई प्रमाण देने को तैयार नहीं होती।

यहां समस्या केवल किसी एक अधिकारी, एक विभाग या एक सरकार की नहीं है। समस्या उस मानसिकता की है जिसमें सत्ता को जवाबदेही से ऊपर समझ लिया गया है। जब पद अधिकार का माध्यम न रहकर विशेषाधिकार का कवच बन जाता है, तब व्यवस्था नागरिक की सेवा नहीं करती-नागरिक व्यवस्था की परिक्रमा करने लगता है।

आम आदमी की सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि उसके पास शिकायत करने के लिए अनेक मंच हैं, लेकिन समाधान का कोई सुनिश्चित रास्ता नहीं। पोर्टल हैं, हेल्पलाइन हैं, जनसुनवाई हैं, शिकायत प्रकोष्ठ हैं, लोक शिकायत तंत्र है, कार्यालय हैं, आयोग हैं-लेकिन यदि शिकायत के बाद भी समस्या बनी रहती है तो नागरिक फिर उसी चक्र में लौट आता है। शिकायत दर्ज होती है, नंबर मिलता है, स्थिति ह्यनिस्तारितह्ण दिखा दी जाती है, और नागरिक की वास्तविक समस्या वहीं की वहीं पड़ी रहती है।

कागज पर समस्या समाप्त। वास्तविक जीवन में समस्या कायम।

यही वह बिंदु है जहां प्रशासनिक आंकड़े और नागरिक का अनुभव एक-दूसरे के आमने-सामने खड़े हो जाते हैं। सरकारी रिपोर्ट कहती है-शिकायतों का निस्तारण हो गया। नागरिक कहता है-मेरी समस्या अभी भी मौजूद है। फाइल कहती है-कार्यवाही पूर्ण। जमीन पर पीड़ित पूछता है-तो न्याय कहां है?

यदि किसी शिकायत को केवल इसलिए ह्यनिस्तारितह्ण मान लिया जाए कि उस पर एक औपचारिक उत्तर भेज दिया गया, तो यह समाधान नहीं, प्रशासनिक शब्दों की बाजीगरी है। समस्या का वास्तविक समाधान और फाइल का प्रशासनिक समापन-दो अलग-अलग चीजें हैं। लेकिन जब व्यवस्था कागज को वास्तविकता का विकल्प बना देती है, तब नागरिक का अनुभव सरकारी रिकॉर्ड में अदृश्य हो जाता है।

फाइलें केवल कागज नहीं होतीं। हर फाइल के पीछे किसी व्यक्ति का जीवन होता है। किसी की जमीन, किसी का घर, किसी की पेंशन, किसी का रोजगार, किसी का इलाज, किसी की शिकायत, किसी की सुरक्षा, किसी का सम्मान और कभी-कभी किसी परिवार का पूरा भविष्य।

जब कोई फाइल वर्षों तक नहीं चलती, तो केवल कागज स्थिर नहीं रहता-किसी का जीवन स्थगित हो जाता है।

लेकिन व्यवस्था के लिए वह केवल एक लंबित प्रकरण है।

यही अमानवीयता आधुनिक प्रशासन की सबसे भयावह विडंबना है। एक ओर सरकारें डिजिटल इंडिया, स्मार्ट गवर्नेंस, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा आधारित प्रशासन की बात करती हैं; दूसरी ओर नागरिक आज भी एक साधारण प्रमाणपत्र, शिकायत या निर्णय के लिए महीनों और वर्षों तक कार्यालयों के चक्कर काटता है। तकनीक ने फाइलों की गति बढ़ाने के बजाय कई बार केवल उनकी निगरानी को डिजिटल बनाया है। शिकायत ऑनलाइन हो गई, पर पीड़ा अभी भी ऑफलाइन है।

सत्ता के गलियारों में अक्सर विकास के बड़े-बड़े आंकड़े गूंजते हैं। आर्थिक वृद्धि, निवेश, एक्सप्रेसवे, स्मार्ट सिटी, डिजिटल सेवाएं, वैश्विक रैंकिंग और उपलब्धियों की लंबी सूची प्रस्तुत की जाती है। ये उपलब्धियां महत्वपूर्ण हो सकती हैं, लेकिन किसी भी सरकार की असली परीक्षा चमकते हुए उद्घाटन मंचों पर नहीं होती। उसकी असली परीक्षा उस नागरिक के सामने होती है जो अपने अधिकार के लिए वर्षों से किसी सरकारी दफ्तर की सीढ़ियां चढ़ रहा है।

किसी शहर की वास्तविक प्रगति यह नहीं कि उसके प्रवेश द्वार पर विशाल स्वागत द्वार खड़ा है। वास्तविक प्रगति यह है कि वहां गरीब की शिकायत सुनी जाती है या नहीं। विधवा की पेंशन समय पर मिलती है या नहीं। किसान को उचित भुगतान मिलता है या नहीं। आम नागरिक की जमीन सुरक्षित है या नहीं। पुलिस शिकायत दर्ज करती है या नहीं। सरकारी अस्पताल में सम्मान मिलता है या नहीं। नगर निकाय कूड़ा उठाता है या नहीं। सड़क बनने के बाद पहली बारिश में बह जाती है या नहीं। और सबसे बढ़कर-क्या नागरिक को अपने ही देश में न्याय पाने के लिए किसी प्रभावशाली व्यक्ति की सिफारिश की आवश्यकता पड़ती है?

यदि पड़ती है, तो यह केवल प्रशासन की विफलता नहीं-लोकतांत्रिक व्यवस्था की आत्मा पर प्रश्नचिह्न है।

क्योंकि जिस व्यवस्था में अधिकार पाने के लिए पहचान चाहिए, शिकायत सुनाने के लिए पहुंच चाहिए, फाइल चलाने के लिए प्रभाव चाहिए और न्याय के लिए संसाधन चाहिए-वह व्यवस्था समान नागरिकता के सिद्धांत को भीतर से कमजोर कर रही है।

आज आम आदमी का एक बड़ा हिस्सा व्यवस्था से लड़ नहीं रहा; वह व्यवस्था से बचने की कोशिश कर रहा है।

वह जानता है कि यदि किसी कार्यालय में उसका काम अटक गया तो उसे बार-बार जाना पड़ेगा। यदि किसी विभाग से विवाद हो गया तो वर्षों लग सकते हैं। यदि किसी प्रभावशाली व्यक्ति से टकराव हो गया तो उसकी शिकायत ही उसके लिए समस्या बन सकती है। यदि वह भ्रष्टाचार का विरोध करे तो उसे ह्यमुश्किल व्यक्तिह्ण कहा जा सकता है। यदि वह सवाल पूछे तो उसे ह्यनकारात्मकह्ण बताया जा सकता है। यदि वह अधिकार मांगे तो उसे ह्यअसहयोगीह्ण समझा जा सकता है।

और धीरे-धीरे नागरिक सीख जाता है-चुप रहना ही सुरक्षित है।

यही सन्नाटा लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

क्योंकि भयभीत नागरिक लोकतंत्र में भाग नहीं लेता। थका हुआ नागरिक सवाल नहीं पूछता। निराश नागरिक शिकायत नहीं करता। और जब नागरिक शिकायत करना छोड़ देता है, तब व्यवस्था अपने आपको सफल घोषित कर देती है।

लेकिन किसी समाज में शिकायतों का कम होना हमेशा सुशासन का प्रमाण नहीं होता। कई बार यह जनता की निराशा का प्रमाण होता है।

जब नागरिक को विश्वास हो जाए कि शिकायत करने से कुछ नहीं होगा, तब वह शिकायत करना बंद कर देता है। जब उसे लगे कि न्याय पाने में उसकी पूरी जिंदगी बीत जाएगी, तब वह अन्याय को सहना सीख लेता है। जब उसे पता हो कि प्रभावशाली व्यक्ति के सामने कानून कमजोर पड़ सकता है, तब वह कानून से नहीं, अपनी विवशता से समझौता करता है।

यही वह क्षण है जब लोकतंत्र की सबसे खतरनाक बीमारी जन्म लेती है-जनता का व्यवस्था से भावनात्मक विच्छेद।

सरकारें चुनाव जीत सकती हैं, लेकिन जनता का विश्वास केवल चुनाव से नहीं जीता जा सकता। विश्वास तब बनता है जब नागरिक को यह अनुभव हो कि सत्ता उसके ऊपर नहीं, उसके साथ खड़ी है। जब अधिकारी का व्यवहार नागरिक को अपमानित न करे। जब शिकायत का उत्तर केवल औपचारिक न हो। जब निर्णय पारदर्शी हो। जब गलती करने वाले शक्तिशाली व्यक्ति पर भी कार्रवाई हो। जब कानून की आंखों पर पट्टी हो, लेकिन उसकी दृष्टि सत्ता के प्रभाव से प्रभावित न हो।

लोकतंत्र में सत्ता की सबसे बड़ी शक्ति उसका बहुमत नहीं, उसकी जवाबदेही होती है।

बहुमत सरकार बना सकता है; जवाबदेही सरकार को वैधता देती है।

जनता वोट देकर सत्ता सौंपती है, लेकिन सत्ता सौंपना नागरिक अधिकारों का त्याग नहीं है। चुनाव के बाद नागरिक पांच वर्षों के लिए मौन प्रजा नहीं बन जाता। लोकतंत्र में नागरिक की भूमिका मतदान केंद्र के बाहर समाप्त नहीं होती। वह सवाल पूछ सकता है, सूचना मांग सकता है, विरोध कर सकता है, शिकायत कर सकता है, न्यायालय जा सकता है और सरकार से जवाब मांग सकता है।

लेकिन यदि इन अधिकारों का उपयोग करने वाला नागरिक ही व्यवस्था की आंखों में असुविधा बन जाए, तो यह लोकतंत्र की आत्मा के विरुद्ध है।

आज सबसे बड़ा सवाल यह नहीं है कि सरकारें कितनी योजनाएं बना रही हैं। सवाल यह है कि उन योजनाओं का लाभ पाने के लिए नागरिक को कितनी बार अपने अधिकार की भीख मांगनी पड़ती है। सवाल यह नहीं है कि कितने पोर्टल बनाए गए। सवाल यह है कि उन पोर्टलों पर दर्ज शिकायतों का वास्तविक समाधान कितना हुआ। सवाल यह नहीं है कि कितने अधिकारियों ने बैठकें कीं। सवाल यह है कि उन बैठकों के बाद जमीन पर क्या बदला। सवाल यह नहीं है कि कितनी फाइलें बंद की गईं। सवाल यह है कि कितने नागरिकों की समस्याएं वास्तव में समाप्त हुईं।

धैर्य का फल

किशन भावनानीं

कविता

धैर्य कभी मत छोड़िए, मंज़िल खुद राह दिखाएगी
सही समय का इंतजार करना सीखिए, किस्मत भी मुस्कुराएगी
समय से पहले तोड़ा हुआ फल हमेशा कच्चा कहलाता है
जो ठहरना जानता है, वही जीवन का असली स्वाद पाता है

हर अँधेरी रात के बाद सवेरा भी आता है
हर संघर्ष के बाद सफलता का दीप जल जाता है
जल्दबाजी अक्सर सपनों को अधूरा छोड़ जाती है
धैर्य की एक किरण ही मंज़िल तक पहुँचाती है।

बीज भी धरती में रहकर मौसम का इंतजार करता है
तभी वह एक दिन विशाल वृक्ष बनकर निखरता है
जो हर कठिनाई में अपना विश्वास बनाए रखता है
समय उसी के जीवन में सफलता का इतिहास लिखता है।

नदी भी चट्टानों से टकराकर अपना रास्ता बनाती है
धीरे-धीरे ही सही, लेकिन मंज़िल तक पहुँच जाती है
धैर्य और परिश्रम जब साथ-साथ चलते हैं
तब अधूरे सपने भी एक दिन सच में बदलते हैं

किशन इसलिए धैर्य कभी मत छोड़िए, समय पर भरोसा रखिए
हर कर्म को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करते रहिए
जो समय का सम्मान करता है, समय उसका मान बढ़ाता है
धैर्य रखने वाला इंसान ही अंत में सच्ची जीत पाता है

हल्के स्कूल बैग, सशक्त विद्यार्थी

डॉ विजय गर्ग
लेखक

स्कूल बैग केवल किताबें और कॉपियाँ ढोने का साधन नहीं है, बल्कि यह हर बच्चे के सपनों, शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक है। लेकिन जब यही बैग आवश्यकता से अधिक भारी हो जाता है, तो यह बच्चों के कंधों पर बोझ बनकर उनकी शारीरिक और मानसिक सेहत को प्रभावित करने लगता है। इसलिए स्कूल बैग का भार कम करना केवल सुविधा का विषय नहीं, बल्कि बच्चों के समग्र विकास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आज अनेक स्कूलों में विद्यार्थी प्रतिदिन कई किलोग्राम वजन वाले बैग लेकर आते-जाते हैं। चिकित्सकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, स्कूल बैग का वजन बच्चे के शरीर के वजन का लगभग 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। इससे अधिक भार उठाने पर पीठ दर्द, गर्दन और कंधों में खिंचाव, रीढ़ की हड्डी पर दबाव, गलत शारीरिक मुद्रा तथा लंबे समय तक रहने वाली मांसपेशियों की समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। बढ़ती उम्र के बच्चों के लिए यह विशेष रूप से चिंता का विषय है, क्योंकि उनका शरीर अभी विकास की अवस्था में होता है। भारी स्कूल बैग का प्रभाव केवल शरीर तक सीमित नहीं रहता। यह बच्चों के मनोबल और सीखने की इच्छा को भी प्रभावित करता है। जब उन्हें रोज अनेक पुस्तकें और कॉपियाँ ढोनी पड़ती हैं, तो पढ़ाई आनंद के बजाय बोझ लगने लगती है। शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान अर्जित करना है, न कि किताबों का वजन उठाना। विद्यालय ऐसा स्थान होना चाहिए जहाँ बच्चे उत्साह, जिज्ञासा और प्रसन्नता के साथ जाएँ। इस समस्या का समाधान कठिन नहीं है। विद्यालय यदि सुव्यवस्थित समय-सारिणी बनाएँ और विद्यार्थियों को प्रतिदिन केवल आवश्यक पुस्तकें ही लाने के लिए प्रेरित करें, तो बैग का वजन काफी कम किया जा सकता है। कक्षा में लॉकर की व्यवस्था, पुस्तकों को दो या अधिक भागों में प्रकाशित करना, एकीकृत वर्कबुक का उपयोग तथा डिजिटल शिक्षण सामग्री को अपनाना भी प्रभावी उपाय हैं। शिक्षकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि गृहकार्य की योजना सोच-समझकर बनाई जाए और अनावश्यक कॉपियों एवं पुस्तकों की आवश्यकता कम की जाए, तो विद्यार्थियों का बोझ स्वतः घट जाएगा। अभिभावकों को भी समय-समय पर बच्चों के बैग की जाँच करनी चाहिए और अनावश्यक सामग्री निकाल देनी चाहिए। साथ ही, सही आकार के बैग और दोनों कंधों पर समान रूप से पहनने की आदत विकसित करनी चाहिए। डिजिटल तकनीक इस दिशा में नई संभावनाएँ लेकर आई है। ई-पुस्तकें, स्मार्ट कक्षाएँ, ऑनलाइन असाइनमेंट और शैक्षिक ऐप्स कागजी पुस्तकों पर निर्भरता कम कर सकते हैं। हालांकि, डिजिटल शिक्षा को पारंपरिक शिक्षा का विकल्प नहीं बल्कि उसका पूरक बनाया जाना चाहिए, ताकि बच्चे लेखन और पठन की मूलभूत आदतों से भी जुड़े रहें। सरकारों और शिक्षा विभागों ने स्कूल बैग के वजन को नियंत्रित करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, लेकिन उनकी सफलता विद्यालयों, शिक्षकों, अभिभावकों और प्रकाशकों के संयुक्त प्रयास पर निर्भर करती है। प्रकाशक भी हल्की पुस्तकें तैयार करके, पुस्तकों को छोटे भागों में विभाजित करके तथा पाठ्यक्रम को अधिक व्यवस्थित बनाकर इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। वास्तविक शिक्षा का उद्देश्य बच्चों को ज्ञानवान, रचनात्मक, आत्मविश्वासी और जिम्मेदार नागरिक बनाना है। यदि वे प्रतिदिन भारी बैग के बोझ से दबे रहेंगे, तो उनकी सीखने की स्वाभाविक खुशी प्रभावित होगी। हल्के स्कूल बैग बच्चों के स्वास्थ्य की रक्षा करते हैं, उनकी ऊर्जा बनाए रखते हैं और उन्हें अधिक उत्साह के साथ सीखने का अवसर प्रदान करते हैं। स्कूल बैग का भार कम करना शिक्षा को कम करना नहीं, बल्कि उसे अधिक प्रभावी, मानवीय और बाल-केंद्रित बनाना है। जब हम बच्चों के कंधों से अनावश्यक बोझ हटाते हैं, तब हम उनके सपनों, आत्मविश्वास और भविष्य को मजबूत बनाते हैं। सचमुच, 'हल्के स्कूल बैग, सशक्त विद्यार्थी' केवल एक नारा नहीं, बल्कि स्वस्थ, खुशहाल और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में एक आवश्यक अभियान है।

मनुष्य का पहला धर्म- स्वयं के प्रति ईमानदार होना

प्रो. आरके जैन
लेखक

दिन का कोलाहल सत्य को दबा सकता है, पर रात का सन्नाटा उसे जगा देता है। जब सारी आवाजें थम जाती हैं, तब मनुष्य अपनी ही अंतरात्मा के न्यायालय में खड़ा होता है, जहाँ न बहाने चलते हैं, न मुखौटे टिकते हैं। दिनभर तर्क और धर्म की ओट लेने वाला मन अंततः एक ही प्रश्न से घिरता है-आज तुमने सच में कितना जिया और कितना खो दिया? विडंबना यह है कि इसी आत्म-पड़ताल से बचने के लिए हम कहते हैं-'भगवान सब देख रहा है।' यदि इस पर सच्चा विश्वास होता, तो विचार, कर्म और व्यवहार की छोटी-छोटी बेईमानियाँ स्वयं समाप्त हो जातीं। क्योंकि सबसे बड़ी चोरी किसी और की नहीं, अपने ही जीवन की होती है। हम अपने वर्तमान, अपनी सच्चाई, अपनी मुस्कान और अपने अस्तित्व को ही धीरे-धीरे लूटते रहते हैं, फिर भी स्वयं को निर्दोष मानते हैं। ईश्वर का नाम अक्सर वहीं सबसे अधिक लिया जाता है, जहाँ विश्वास कम और भय अधिक होता है। जब कोई कहता है-'भगवान सब देख रहा है,' तो उसके शब्दों से अधिक उसका डर बोलता है। हमने परमात्मा को प्रेम का स्रोत नहीं, अपराध पकड़ने वाला प्रहरी बना दिया है। जबकि प्रेम पहरा नहीं देता और करुणा भय नहीं जगाती। भय अभिनय सिखाता है, चरित्र नहीं; इसलिए बाहर धर्म दिखता है और भीतर छल पलता है। सच तो यह है कि परमात्मा कोई दंडाधिकारी नहीं, बल्कि हृदय का मौन साक्षी है, जहाँ दंड नहीं, केवल करुणा है। हम उसकी पुकार सुनने के बजाय भय जगाने वाले धार्मिक वाक्यों में उलझे रहते हैं। जीवन की सबसे बड़ी बेईमानियाँ अक्सर इतनी साधारण होती हैं कि हम उन्हें अपराध ही नहीं मानते। हर सुबह हम अपना वर्तमान भविष्य की चिंताओं और बीते कल की परछाइयों में गिरवी रख देते हैं। किसी का मन दुखाकर उसे मजाक कह देते हैं, वचन भूल जाते हैं, परिवर्तन टालते हैं, भय से अपनी प्रतिभा दबा देते हैं और संबंधों में अधूरे रह जाते हैं। दिन तो बीत जाता है, पर रात की निस्तब्धता में भीतर की चेतना एक ही प्रश्न करती है-'तुमने दूसरों के साथ नहीं, अपने ही जीवन के साथ क्या किया?' यही वह प्रश्न है, जिसके सामने हर तर्क, बहाना और मुखौटा ढह जाता है। एक प्राचीन प्रसंग है। वन में भटका एक बालक अँधेरा घिरते ही भयभीत हो गया। उसने एक फकीर से पूछा-'क्या भगवान मुझे देख रहे हैं?' फकीर ने उसका हाथ उसके हृदय पर रखकर कहा-'सबसे निकट की दृष्टि यहीं जाग रही है।' उसी क्षण उसका भय शांत हो गया, क्योंकि उसे समझ आ गया कि संरक्षण बाहर नहीं, भीतर है। हम भी जीवनभर मंदिरों, नियमों और बाहरी सहारों में सुरक्षा खोजते रहते हैं, जबकि परमात्मा का सबसे पवित्र देवालय हमारे अंतर्मन में ही प्रकाशित है। जिस दिन मनुष्य भीतर के उस मौन साक्षी से परिचित हो जाता है, उसी दिन उसकी बेईमानियाँ स्वतः मिटने लगती हैं; क्योंकि तब उसे डराने वाला कोई बाहरी देवता नहीं, जगाने वाला अपना विवेक होता है। मनुष्य की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि वह अपना ही जीवन खोकर भी स्वयं को धर्ममार्गी मानता रहता है। वह वर्तमान, माता-पिता का समय, बच्चों का बचपन, मित्रों का विश्वास और संबंधों की आत्मीयता गँवा देता है। भय से अपनी प्रतिभा पर ताला लगाकर फिर निश्चिंत हो कहता है-'भगवान सब देख रहा है, वह क्षमा कर देगा।' किंतु परमात्मा क्षमा से अधिक जागृति चाहता है। जहाँ चेतना जागती है, वहाँ भूलें स्वयं मिटने लगती हैं। जिस क्षण मनुष्य अपने हर विचार, शब्द और कर्म में भीतर के मौन साक्षी का अनुभव कर लेता है, उसी क्षण जीवन बदल जाता है-कर्म पूजा बन जाता है, वाणी प्रार्थना और मौन आत्मबोध। यहीं से जीवन की वास्तविक यात्रा आरंभ होती है। भय प्रेम में, बंधन स्वतंत्रता में और स्वार्थ उत्तरदायित्व में बदल जाता है। तब मनुष्य दूसरों पर अधिकार नहीं, अपने समय, संबंधों, चेतना और जीवन का सजग संरक्षक बनता है। 'भगवान सब देख रहा है' तब डराने वाला वाक्य नहीं, स्वयं को जगाने वाला मंत्र बन जाता है। जो लोग इस सत्य को जी लेते हैं, उनके शब्द भय या अपराधबोध नहीं, बल्कि विश्वास और आत्मबोध जगाते हैं। क्योंकि तब अनुभव होता है कि देखने वाला और देखा जाने वाला अलग नहीं, एक ही चेतना के दो प्रतिबिंब हैं। जब भी सुनें-'भगवान सब देख रहा है,' तो उसे दूसरों के लिए नहीं, अपने लिए सुनिए। एक क्षण ठहरकर स्वयं से पूछिए-क्या मैं अपने समय, अपने सत्य, अपने संबंधों और अपने वर्तमान के साथ न्याय कर रहा हूँ, या स्वयं को ही छल रहा हूँ?

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

महिला जनसुनवाई में पहुंचे 13 मामले, राज्य महिला आयोग अध्यक्ष ने दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष (राज्यमंत्री स्तर) डॉ. बबीता सिंह चौहान की अध्यक्षता में मंगलवार को विकास भवन सभागार में महिला जनसुनवाई एवं जनपद स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जनसुनवाई के दौरान महिला उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना और छेड़छाड़ से संबंधित कुल 13 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए गए। आयोग अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों को दोनों पक्षों को सुनकर मामलों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने महिला सुरक्षा, मानव तस्करी की रोकथाम, आयुष्मान कार्ड, कन्या सुमंगला योजना, बाल विवाह रोकथाम तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा की। शिक्षा विभाग को विद्यालयों में शिक्षकों की नियमित उपस्थिति, बालिकाओं की शिक्षा और महिला शौचालयों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके बाद डॉ. चौहान ने माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण कर मरीजों का हालचाल जाना तथा साफ-सफाई और बेहतर चिकित्सा व्यवस्था के निर्देश दिए। यहां बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत कन्या जन्मोत्सव, गोदभराई और अन्नप्राशन कार्यक्रम भी आयोजित हुआ। दोपहर बाद उन्होंने जिला कारागार का निरीक्षण किया और महिला बंदियों से संवाद कर उनकी सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान महिला बैरक, पाकशाला, शौचालय और प्रशिक्षण गतिविधियों का निरीक्षण करते हुए बंदियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

अमेरिका से प्रस्तावित ट्रेड डील के विरोध में हापुड़ कलेक्ट्रेट पर किसानों का प्रदर्शन, एडीएम को सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। अमेरिका के साथ प्रस्तावित ट्रेड डील के विरोध में मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के बैनर तले हापुड़ कलेक्ट्रेट पर किसानों ने जोरदार प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष जीत चौहान के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों, बसों और अन्य वाहनों से कलेक्ट्रेट पहुंचे तथा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शन के दौरान किसानों ने आरोप लगाया कि अमेरिका के साथ कृषि क्षेत्र से जुड़ी संभावित ट्रेड डील भारतीय किसानों के हितों के विपरीत है। उनका कहना था कि यदि विदेशी कृषि उत्पादों का बड़े पैमाने पर आयात हुआ तो देश के किसानों की आय और स्थानीय कृषि बाजार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।किसानों को संबोधित करते हुए भाकियू (टिकैत) के जिलाध्यक्ष जीत चौहान ने कहा कि किसान किसी भी ऐसी नीति का विरोध करेंगे जिससे देश के अन्नदाताओं की आजीविका पर संकट आए। उन्होंने केंद्र सरकार से किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की मांग की। प्रदर्शन के बाद भाकियू (टिकैत) के प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी (एडीएम) को सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि कृषि क्षेत्र से संबंधित किसानों के हितों के प्रतिकूल किसी भी ट्रेड डील को लागू न किया जाए तथा किसानों को उनकी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी दी जाए। किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। प्रदर्शन में भाकियू (टिकैत) के पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष तथा जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

मंडलीय चयन ट्रायल में हापुड़ की महिला खिलाड़ियों का हुआ चयन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद की प्रदेश स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता महिला के मंडलीय चयन ट्रायल जोकि मेरठ में आयोजित किए गए उसमें जनपद हापुड़ की दो महिला खिलाड़ी कीर्ति त्यागी एवं सलीमा खातून जेएमएस वर्ल्ड स्कूल का प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन हो गया है जो की 27 जुलाई से 29 जुलाई 2026 तक अयोध्या में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में मेरठ मंडल की टीम से खेलेंगे । इस अवसर पर क्रीड़ा अधिकारी अरुणा ने बताया कि यह जनपद हापुड़ के लिए गौरव की बात है और दोनों खिलाड़ियों को बधाई दी।

मानचौक की पीडीए पंचायत में गरजे सपा नेता पदम सिंह जाटव, बोले- मिशन-2027 में बूथ की मजबूती से बनेगी सरकार

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। आगामी विधानसभा चुनाव-2027 को लेकर समाजवादी पार्टी ने जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मानचौक में पीडीए (पिछड़ा, दलित एवं अल्पसंख्यक) पंचायत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व वरिष्ठ सपा नेता पदम सिंह जाटव ने किया। पंचायत में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए पदम सिंह जाटव ने कहा कि समाजवादी पार्टी गांव-गांव पीडीए पंचायतों के माध्यम से जनता से सीधा संवाद स्थापित कर रही है। उन्होंने कहा कि पीडीए सामाजिक न्याय, संविधान की रक्षा तथा पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों को सम्मान व अधिकार दिलाने का मजबूत अभियान है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की नीतियों एवं संदेश को घर-घर पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मिशन-2027 की सफलता कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के विश्वास पर निर्भर करेगी।पदम सिंह जाटव ने विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता समाजवादी पार्टी को जनादेश देगी और पार्टी के नेतृत्व में नई सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा जनता के सुख-दुख में साथ खड़ी रही है और आगे भी जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाती रहेगी/ कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, ग्राम प्रधान, क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जनता दर्शन में एसएसपी ने सुनीं फरियादियों की शिकायतें, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने मंगलवार को पुलिस कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में फरियादियों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न मामलों से संबंधित कुल 18 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। प्राप्त शिकायतों में चार भूमि विवाद, चार मारपीट तथा शेष 10 अन्य मामलों से संबंधित थीं। एसएसपी ने सभी प्रार्थना पत्रों का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक मामले का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की शिकायतों का त्वरित समाधान पुलिस की प्राथमिकता है तथा प्रत्येक मामले में पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई की जाए, ताकि पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके।

आर्य कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज में एचपीवी टीकाकरण अभियान, 27 छात्राओं को लगाया गया टीका

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। आर्य कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज, हापुड़ में मंगलवार को मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) की उपस्थिति में एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान का आयोजन किया गया। इस दौरान 27 छात्राओं का सफलतापूर्वक एचपीवी टीकाकरण किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी ने छात्राओं, अभिभावकों एवं उपस्थित शिक्षकों को एचपीवी वैक्सीन से जुड़ी भ्रांतियों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह टीका सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव में प्रभावी है।

उन्होंने अधिक से अधिक पात्र बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम में जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. श्वेता पुठिया, सीडीओ श्रुति शर्मा, डॉ. योगेश गुप्ता, डीआईओ डॉ. सतीश कुमार, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, विद्यालय की प्रधानाचार्या (प्रभारी) अर्चना गौतम, चिकित्सा अधिकारी डॉ. राकेश यादव, डॉ. मेघना तथा पीपीसीडी समन्वयक रीना एस.एम. सहित विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में रानी सिंह एवं समस्त विद्यालय परिवार का विशेष सहयोग रहा। विद्यालय प्रशासन ने इस अभियान को बालिकाओं के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

बाबूगढ़ पुलिस की तत्परता से साइबर ठगी के शिकार पीड़ित को मिले पूरे 5,500 रुपये वापस

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार जनपद में साइबर अपराध की रोकथाम एवं पीड़ितों को त्वरित राहत दिलाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बाबूगढ़ पुलिस की साइबर क्राइम टीम ने सराहनीय कार्य किया है। थाना बाबूगढ़ की साइबर क्राइम टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी का शिकार हुए एक पीड़ित के 5,500 रुपये की पूरी (100 प्रतिशत) धनराशि सफलतापूर्वक वापस कराई। धनराशि वापस मिलने पर पीड़ित ने बाबूगढ़ पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए पुलिस की तत्परता और प्रभावी कार्रवाई की सराहना की।

थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि साइबर अपराध से बचाव के लिए लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। किसी भी अनजान कॉल, लिंक या ओटीपी साझा करने से बचें। यदि कोई व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार होता है, तो वह तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन या नजदीकी पुलिस थाना अथवा साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराए, ताकि समय रहते कार्रवाई कर धनराशि वापस कराई जा सके।

बहुजन समाज पार्टी ने पहली बार ओबीसी समाज को सौंपी हापुड़ जिला अध्यक्ष की कमान

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री मायावती (बहन जी) के निर्देशानुसार जनपद हापुड़ में संगठन को नई मजबूती देते हुए जगमाल पाल को जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। विशेष बात यह है कि जनपद हापुड़ में पहली बार ओबीसी समाज से किसी नेता को बहुजन समाज पार्टी का जिला अध्यक्ष बनाया गया है। पार्टी कार्यकर्ताओं ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए इसे संगठन को और अधिक मजबूत बनाने वाला निर्णय बताया।

उनका कहना है कि बहुजन समाज पार्टी हमेशा सर्वसमाज, विशेषकर बहुजन समाज के हितों को प्राथमिकता देती रही है और यह नियुक्ति उसी सोच को आगे बढ़ाने का कदम है।नवनियुक्त जिला अध्यक्ष जगमाल पाल ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री मायावती के विश्वास पर पूरी निष्ठा के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना, कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलना तथा पार्टी की नीतियों और जनहित के मुद्दों को जनता तक पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

जिले के पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जगमाल पाल को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में बहुजन समाज पार्टी जनपद हापुड़ में और अधिक सशक्त होकर आगामी राजनीतिक चुनौतियों का सामना करेगी।

हाईवे पर स्कॉर्पियो से स्टंटबाजी करने वाला युवक गिरफ्तार, कार सीज

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। थाना हाफिजपुर पुलिस ने हाईवे पर स्कॉर्पियो कार से खतरनाक स्टंटबाजी कर आमजन की जान जोखिम में डालने वाले युवक के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने स्टंट में प्रयुक्त स्कॉर्पियो कार को मोटर वाहन अधिनियम (एमवी एक्ट) के तहत सीज कर दिया। थाना प्रभारी अरविंद चौधरी ने बताया कि सोशल मीडिया पर हाईवे पर स्कॉर्पियो कार से स्टंटबाजी का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया। जांच के दौरान वाहन और चालक की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

साथ ही संबंधित स्कॉर्पियो कार को एमवी एक्ट के तहत सीज कर दिया गया। थाना प्रभारी ने कहा कि सार्वजनिक सड़कों पर स्टंटबाजी करना कानूनन अपराध है और इससे आम लोगों की जान को खतरा होता है।

ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे यातायात नियमों का पालन करें और सड़क पर स्टंट कर अपनी तथा दूसरों की जान खतरे में न डालें।

करोड़ों फूंकने के बाद भी आफत बना कोलहूवा महरिया अंडरपास, रिसाव से डूबा रास्ता

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। स्थानीय जनपद के कोलहूवा महरिया में बना रेलवे अंडरपास इन दिनों आमजन के लिए बड़ी मुसीबत का सबब बन चुका है। करोड़ों रुपये की भारी-भरकम लागत से निर्मित इस अंडरपास में तकनीकी खामियों के चलते पानी का रिसाव थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसके चलते अंडरपास में लगातार जलभराव की स्थिति बनी हुई है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों को आवागमन में भारी दुश्वारियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि निर्माण कार्य के दौरान कार्यदायी संस्था द्वारा जल निकासी की कोई ठोस और समुचित व्यवस्था नहीं की गई। इसी लापरवाही का खामियाजा आज हजारों लोग भुगत रहे हैं। हल्की बारिश होते ही अंडरपास किसी तालाब में तब्दील हो जाता है। पानी का जलस्तर बढ़ने से दोपहिया और चारपहिया वाहनों के साइलेंसर में पानी भर जाता है, जिससे वाहन बीच रास्ते में ही बंद हो रहे हैं। राहगीर जान जोखिम में डालकर इस गंदे पानी के बीच से गुजरने को मजबूर हैं। सूत्रों के मुताबिक, जिले में इस तरह के प्रत्येक रेलवे अंडरपास के निर्माण पर करीब छह करोड़ रुपये से अधिक की सरकारी धनराशि खर्च की गई है। सरकार ने यह बजट इसलिए स्वीकृत किया था ताकि लोगों को रेलवे क्रॉसिंग के जाम से निजात मिल सके और उनका सफर आसान हो। लेकिन धरातल पर स्थिति बिल्कुल उलट है। करोड़ों रुपये पानी की तरह बहाने के बाद भी जनता को राहत मिलने के बजाय आफत झेलनी पड़ रही है। क्षेत्र के लोगों ने जिला प्रशासन और संबंधित रेलवे अधिकारियों से अंडरपास की मरम्मत कराने और रिसाव की समस्या का स्थायी समाधान निकालने की मांग की है।

जिलाधिकारी ने बूढ़ी राप्ती के ककरही-गोनहा तटबंध का किया निरीक्षण, सतत निगरानी के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बांसी/सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने मंगलवार को बूढ़ी राप्ती नदी के ककरही-गोनहा तटबंध का निरीक्षण कर बाढ़ सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने तटबंध की स्थिति का अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता सिंचाई निर्माण खंड सतीश कुमार को निर्देशित किया कि लगातार हो रही भारी बारिश को देखते हुए तटबंधों की सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने संवेदनशील स्थलों का नियमित निरीक्षण करने तथा किसी भी प्रकार की क्षति या रिसाव की स्थिति में तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्टोर रूम का भी जायजा लिया और आवश्यक सामग्री की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त मात्रा में सभी जरूरी संसाधन उपलब्ध रहें तथा जलस्तर बढ़ने की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों के लिए सभी तैयारियां पहले से पूरी कर ली जाएं।

काशीराम शहरी आवासों की गुणवत्ता की जांच के लिए चार सदस्यीय समिति गठित

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। नगर पालिका परिषद क्षेत्र में स्थित मान्यवर कांशीराम शहरी आवास योजना के अंतर्गत निर्मित आवासों की गुणवत्ता और उनकी रहने योग्य स्थिति की जांच के लिए जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने चार सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति को एक सप्ताह के भीतर जांच कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी के आदेश के अनुसार समिति में अधिशासी अभियंता, प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग को अध्यक्ष बनाया गया है। परियोजना अधिकारी डूडा, सहायक अभियंता उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद बस्ती तथा अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर को समिति का सदस्य नामित किया गया है। समिति कांशीराम शहरी आवास योजना के अंतर्गत बने भवनों की गुणवत्ता, संरचनात्मक स्थिति तथा उनके रहने योग्य होने का स्थलीय निरीक्षण कर विस्तृत जांच करेगी।

सीएम ने हरिद्वार-ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर के अंतर्गत चार प्रमुख आधारभूत अवसंरचना परियोजनाओं का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। हरिद्वार को आधुनिक, सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं विश्वस्तरीय आध्यात्मिक नगरी के रूप में विकसित करने की दिशा में राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने आज हरिद्वार-ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर के अंतर्गत लगभग 235 करोड़ रुपये की चार प्रमुख आधारभूत अवसंरचना परियोजनाओं का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया।

उत्तराखण्ड निवेश एवं आधारिक संरचना विकास बोर्ड (यूआईआईडीबी) द्वारा संचालित इन परियोजनाओं से आगामी महाकुंभ-2027 की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ वर्षभर आने वाले श्रद्धालुओं एवं कांवड़ यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित और सुगम सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही स्थानीय नागरिकों को भी बेहतर आधारभूत सुविधाओं का लाभ मिलेगा तथा पर्यटन, व्यापार, परिवहन, होटल व्यवसाय, हस्तशिल्प एवं अन्य सेवा क्षेत्रों को बढ़ावा मिलने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने अलकनंदा होटल हरिद्वार में आयोजित समारोह में 43.25 करोड़ रुपये की लागत से प्रशासनिक मार्ग कॉरिडोर विकास परियोजना का भूमि पूजन किया। इसके साथ ही 66.76 करोड़ रुपये की लागत से हर की पैड़ी एवं सुभाष घाट के पुनरुद्धार, 66.34 करोड़ रुपये की लागत से हर की पैड़ी के उत्तर क्षेत्र में आधारभूत अवसंरचना विकास तथा 58.84 करोड़ रुपये की लागत से रोड़ी बेलवाला क्षेत्र के पुनर्विकास कार्यों का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये परियोजनाएं हरिद्वार को विश्वस्तरीय आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक नगरी के रूप में विकसित करने के व्यापक विजन का हिस्सा हैं। सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने तथा गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश अपनी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, संवर्धन और पुनर्जागरण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में उत्तराखण्ड सरकार हरिद्वार-ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर के साथ-साथ केदारखंड मंदिर माला मिशन, मानसखंड मंदिर माला मिशन, शारदा कॉरिडोर, गोल्ज्यू कॉरिडोर तथा विवेकानंद कॉरिडोर जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं पर भी कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आगामी महाकुंभ-2027 भारत की सांस्कृतिक एकता और आध्यात्मिक चेतना का महापर्व होगा। राज्य सरकार इसे इतिहास का सबसे दिव्य, भव्य, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित महाकुंभ बनाने के लिए युद्धस्तर पर कार्य कर रही है। आज जिन चार परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया है, वे भी इसी व्यापक तैयारी का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि महाकुंभ को दृष्टिगत रखते हुए हरिद्वार में नए घाटों

एवं पुलों का निर्माण, प्रमुख संपर्क मार्गों का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण तथा यातायात व्यवस्था के आधुनिकीकरण का कार्य तेजी से चल रहा है। बहादराबाद-सिडकुल से शिवालिक नगर तक सड़क चौड़ीकरण, ज्वालापुर एवं शिवालिक नगर के बीच रोह नदी पर नए पुल का निर्माण तथा पतंजलि योगपीठ से फेरूपुर तक संपर्क मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के कार्य प्रगति पर हैं। उन्होंने कहा कि हरिद्वार को आस्था के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, आधुनिक आधारभूत सुविधाओं और रोजगार के क्षेत्र में भी देश के अग्रणी नगरों में विकसित किया जा रहा है। हरिद्वार मेडिकल कॉलेज निर्माण अंतिम चरण में है। लालढांग में मॉडल डिग्री कॉलेज तथा श्यामपुर में स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना से स्थानीय लोगों को बेहतर शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हेलीपोर्ट, पॉड टैक्सी परियोजना तथा हर की पैड़ी से माँ चंडी देवी और माँ मनसा देवी तक रोपवे परियोजना पर भी तेजी से कार्य किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त लालढांग क्षेत्र में पुल एवं झूला पुल निर्माण, शंकराचार्य फ्लाईओवर के नीचे गेम जोन तथा मोतीचूर फ्लाईओवर के नीचे पार्किंग, पार्क एवं कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स विकसित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले कांवड़ यात्रा के दौरान केवल अस्थायी व्यवस्थाओं पर ध्यान दिया जाता था, लेकिन राज्य सरकार ने इस सोच को बदलते हुए कांवड़ पटरी मार्ग के स्थायी एवं आधुनिक विकास का कार्य प्रारंभ किया है, ताकि प्रत्येक वर्ष आने वाले करोड़ों कांवड़ यात्रियों और श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विकास के साथ-साथ उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक अस्मिता और देवभूमि की मूल पहचान के संरक्षण के लिए भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इस क्रम में उन्होंने समान नागरिक संहिता, सख्त धर्मांतरण विरोधी कानून, नकल विरोधी कानून तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति, सरकारी भूमि से 12 हजार एकड़ से अधिक अतिक्रमण हटाने, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से 34 हजार से नियुक्ति देने का जिक्र किया।

मुख्यमंत्री ने कैबिनेट मंत्री श्री सतपाल महाराज के प्रशासनिक मार्ग का नाम परिवर्तन संबंधी सुझाव पर संबंधित पक्षों से विचार-विमर्श कर आवश्यक निर्णय लेने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री सतपाल महाराज, कैबिनेट मंत्री श्री मदन कौशिक, श्री राम सिंह कैड़ा, श्री प्रदीप बत्रा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। यूआईआईडीबी के प्रबंध निदेशक एवं प्रमुख सचिव डॉ. आर. मीनाक्षी सुंदरम ने कहा कि आगामी महाकुंभ से पूर्व सभी परियोजनाओं को पूर्ण करने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। समारोह में दायित्वधारी श्री विश्वास डाबर, श्री ओम प्रकाश जमदग्नि, श्री विनय रोहिल्ला, श्री सुनील सैनी, डॉ. जयपाल सिंह चौहान, श्री श्यामवीर सैनी, श्री देशराज कर्णवाल, श्री दिनेश कौशिक, श्री नितिन गौतम, श्री अजीत चौधरी, श्री शोभाराम प्रजापति, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण चौधरी, मेयर हरिद्वार श्रीमती किरण जैसल, मेयर रुड़की श्रीमती अनीता अग्रवाल, पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद, विधायक रानीपुर श्री आदेश चौहान, शिवालिक नगर पालिका अध्यक्ष श्री राजीव शर्मा, पूर्व विधायक श्री संजय गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष हरिद्वार श्री आशुतोष शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष रुड़की डॉ. मधु, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी श्री विकास तिवारी, सचिव श्री विनय शंकर पांडेय, मेलाधिकारी श्रीमती सोनिका, जिलाधिकारी श्री मयूर दीक्षित, आईजी कुंभ डॉ. योगेंद्र सिंह रावत, एसएसपी श्री नवनीत सिंह भुल्लर, नगर आयुक्त श्री नंदन कुमार सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

फर्जी आधार कार्ड बनाकर साइबर ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। थाना पुलिस ने साइबर ठगी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने सोमवार को मलसराय-देवसेरस मार्ग स्थित नगला सपेरा के पास से देवसेरस निवासी हुशैन पुत्र आमीन को गिरफ्तार किया है।

पुलिस द्वारा जमातलाशी लेने पर उसके कब्जे से दो फर्जी आधार कार्ड और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है। पुलिस के अनुसार आरोपी अपनी फोटो लगाकर फर्जी आधार कार्ड तैयार करता था और फर्जी सिम व मोबाइल फोन के जरिए पहचान छिपाकर लोगों को कॉल, लिंक और ओटीपी के माध्यम से झांसे में लेकर साइबर ठगी करता था। वह बहानों से लोगों से धनराशि अपने खातों में ट्रांसफर कराकर अवैध लाभ अर्जित करता था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले में मुकदमा दर्ज करके आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

गोवर्धन थाना परिसर में पुलिस की गिरफ्त में साइबर ठगी का आरोपी फर्जी सिम कार्ड और मोबाईल फोन के साथ

फर्जी पत्रकारों के खिलाफ अभियान चलाने की मांग, डीएम-एसएसपी को सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। ब्रज प्रेस क्लब के अध्यक्ष डॉ. कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट के नेतृत्व में पत्रकारों ने जिलाधिकारी सी.पी. सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार को ज्ञापन सौंपकर फर्जी पत्रकारों एवं अवैध रूप से 'प्रेस' लिखे वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने की मांग की है।

इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि फर्जी पत्रकारों की सघन जांच कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि जिला सूचना विभाग, पुलिस और गुप्तचर विभाग के माध्यम से जांच कराई जाएगी तथा पत्रकारिता की आड़ में आपराधिक गतिविधियों में लिप्त पाए जाने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

ब्रज प्रेस क्लब के अध्यक्ष डॉ. कमलकांत उपमन्यु ने कहा कि जुलाई के अंतिम सप्ताह से पूरे ब्रज क्षेत्र में अभियान शुरू किया जाएगा। दिल्ली हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि प्रेस की स्वतंत्रता लोकतंत्र का महत्वपूर्ण आधार है, लेकिन इसका दुरूपयोग किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अभियान वास्तविक पत्रकारों के खिलाफ नहीं, बल्कि पत्रकारिता की आड़ में ब्लैकमेलिंग, चौथ वसूली और अन्य अवैध गतिविधियों में लिप्त फर्जी पत्रकारों के विरुद्ध होगा।

उन्होंने ब्रज क्षेत्र के प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल और सोशल मीडिया से जुड़े सभी जिम्मेदार पत्रकारों से अभियान में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि पत्रकारिता की गरिमा और समाज के विश्वास को बनाए रखने के लिए ऐसे तत्वों पर प्रभावी कार्रवाई आवश्यक है।

फर्जी पत्रकारों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई करने के संबंध में डीएम-एसएसपी को ज्ञापन सौंपते बृज प्रेस क्लब के अध्यक्ष डॉ कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट

हरिद्वार में कांवड़ मेले की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। हरिद्वार में कांवड़ मेले की तैयारियों के संबंध में आहूत समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मिशन मोड में कार्य करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संवेदनशील क्षेत्रों, घाटों, पुलों एवं प्रमुख मार्गों पर पर्याप्त सुरक्षा बल की तैनाती के साथ सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन एवं एआई आधारित तकनीक से 247 निगरानी सुनिश्चित की जाए। व्यवस्थाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी और कमी पाए जाने पर संबंधित की जवाबदेही तय की जाएगी।

उन्होंने अधिकारियों को कांवड़ मार्गों, शिविरों एवं विश्राम स्थलों पर सभी मूलभूत सुविधाएँ सुनिश्चित करने एवं प्रमुख स्थलों पर मेडिकल कैंप, एम्बुलेंस, चिकित्सकों एवं आवश्यक दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून के दृष्टिगत सभी विभागों को अलर्ट मोड पर रखा जाए एवं रेलवे स्टेशन और बस अड्डे पर यात्रियों की संख्या के अनुरूप अतिरिक्त व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जाए।

अड़ींग चोरी की एचएफ डीलक्स बाइक सहित युवक गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। थाना पुलिस ने चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल बरामद कर उसे न्यायालय में पेश किया। पुलिस के अनुसार ग्राम पाली ब्राह्मणान निवासी तालेबर पुत्र स्वर्गीय हरचरन लाल ने 9 जुलाई को थाना गोवर्धन में तहरीर देकर बताया था कि 31 मई की रात करीब 8:30 बजे उनकी एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल (संख्या यूपी-85 सीपी-3420) खेत से चोरी हो गई थी। इस संबंध में थाना गोवर्धन में मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक विनय कुमार निश्र के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मथुरा-गोवर्धन रोड स्थित अडींग बाईपास से रमन पुत्र सतेन्द्र सिंह, निवासी अमखेड़ा जलालपुर, थाना करेली, जनपद पीलीभीत, उम्र लगभग 22 वर्ष को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से चोरी की एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल बरामद हुई, जिसकी पुष्टि पंजीकरण संख्या और चेसिस नंबर से की गई। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश कर दिया। गिरफ्तारी और बरामदगी की कार्रवाई में उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल विजय सिंह तथा कांस्टेबल अमित कुमार की प्रमुख भूमिका रही।

हज-2027 के ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी, अब 24 जुलाई तक करें आवेदन

सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुंबई ने हज-2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 20 जुलाई से बढ़ाकर 24 जुलाई, 2026 कर दी है। यह जानकारी उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति, लखनऊ के पत्र के हवाले से जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने दी। उन्होंने बताया कि हज यात्रा के इच्छुक अभ्यर्थी हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर निर्धारित तिथि तक अपना ऑनलाइन आवेदन पूरा कर लें। जिन अभ्यर्थियों ने पंजीकरण तो करा लिया है, लेकिन किसी कारणवश आवेदन प्रक्रिया पूरी नहीं की है, वे भी 24 जुलाई तक आवेदन अनिवार्य रूप से पूर्ण कर दें। जिनका पासपोर्ट अभी प्राप्त नहीं हुआ है, वे संबंधित पासपोर्ट कार्यालय से तत्काल संपर्क कर उसे प्राप्त कर लें। हज यात्रियों का चयन 30 जुलाई, 2026 को मुंबई स्थित हज हाउस में ऑनलाइन डिजिटल रैंडम चयन (कुर्रा) के माध्यम से किया जाएगा। चयनित यात्रियों की सूची वेबसाइट पर जारी की जाएगी तथा उन्हें एसएमएस के माध्यम से भी सूचना दी जाएगी। चयनित यात्रियों को 10 अगस्त, 2026 तक 1,52,300 रुपये अग्रिम धनराशि हज कमेटी ऑफ इंडिया के खाते में जमा करनी होगी। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने सभी इच्छुक आवेदकों से निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन प्रक्रिया पूरी करने को कहा है।

जिला भूमि एवं जल संरक्षण समिति तथा जिला मिशन समिति की बैठक हुई संपन्न

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में जिला भूमि एवं जल संरक्षण समिति तथा जिला मिशन समिति की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में भूमि एवं जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, मृदा संरक्षण तथा कृषि विकास से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में विभागीय योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई जिसमें राजकीय कृषि प्रक्षेत्र उसर सुधार योजना, वर्षा सिंचित क्षेत्र विकास योजना, पंडित दीनदयाल किसान समृद्धि योजना, खेत तालाब योजना, जलागम विकास घटक पी.एम.के.एस वाई 2.0 योजना आदि है। बैठक का प्रस्तुतीकरण भूमि संरक्षण अधिकारी सोनू मंगल द्वारा किया गया। उक्त बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ पूजा गुप्ता, जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ नरेंद्र नारायण शुक्ला, उपायुक्त स्वत रोजगार विजय कुमार पाण्डेय, उप कृषि निदेशक (भू. स.) आगरा, उप कृषि निदेशक मथुरा, जिला कृषि अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी सहित अन्य समिति के सदस्य उपस्थित रहे। जिलाधिकारी द्वारा जनपद में संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई तथा आगामी कार्ययोजना पर अनुमोदन एवं आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

जापान के प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय एवं दून विश्वविद्यालय का भ्रमण किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। जापान से आए प्रतिनिधिमंडल ने सर्वे चौक स्थित क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय एवं दून विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। यह प्रतिनिधिमंडल अनाडुकी ग्लोबल करियर कंपनी लिमिटेड, जापान से हैं। जिसमें श्री हिदेतारो उसुई, सुश्री माई इकुता एवं सुश्री मिहोको मात्सुमोतो शामिल हैं।

जापानी प्रतिनिधिमंडल का यह दौरा उत्तराखण्ड और जापान के मध्य कौशल विकास, जापानी भाषा प्रशिक्षण तथा अंतरराष्ट्रीय रोजगार सहयोग को नई गति प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भ्रमण के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने राज्य सरकार द्वारा युवाओं को दिए जा रहे भाषा एवं कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अवलोकन किया और उत्तराखण्ड सरकार किस प्रकार युवाओं को वैश्विक रोजगार के लिए तैयार कर रही है, इसकी जानकारी ली। साथ ही, उन्होंने उन क्षेत्रों की संभावनाओं का अध्ययन किया, जिनमें उत्तराखण्ड के युवाओं को जापान में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं।

प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय का भ्रमण करते हुए मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन और वैश्विक रोजगार योजना के अंतर्गत जापानी भाषा सीख रहे प्रशिक्षित अभ्यर्थियों से संवाद किया। प्रतिनिधियों ने छात्रों को जापानी भाषा के सही उच्चारण, व्यावहारिक संवाद और कॉरपोरेट एथिक्स की जानकारी दी। साथ ही, उन्होंने जापान की कार्य संस्कृति से छात्रों को अवगत कराया।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि इस समय जापान में आईटी, हॉस्पिटैलिटी, इंजीनियरिंग, केयरगिविंग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कुशल और जापानी भाषा जानने वाले युवाओं की आवश्यकता है।

निदेशक, सेवायोजन श्री नरेंद्र सिंह भंडारी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं को वैश्विक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना के माध्यम से युवाओं को विदेशी भाषाओं के प्रशिक्षण के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय कार्य संस्कृति एवं रोजगार संबंधी आवश्यक कौशल प्रशिक्षण भी दिए जा रहे हैं।

जापानी प्रतिनिधिमंडल ने दून विश्वविद्यालय का भ्रमण कर जापानी भाषा विभाग के प्राध्यापकों एवं प्लेसमेंट प्रभारियों के साथ बैठक की। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि जापान में सफल करियर के लिए भाषा के ज्ञान के साथ जापान की कार्य संस्कृति, सामाजिक व्यवहार, रहन-सहन और सांस्कृतिक मूल्यों की समझ भी आवश्यक है। दोनों पक्षों के बीच भविष्य में भी शैक्षणिक एवं कौशल विकास संबंधी सहयोग को और सुदृढ़ करने पर भी सहमति बनी।

इस अवसर पर अपर सचिव, मुख्यमंत्री श्री मनमोहन मैनाली ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य में युवाओं को देश के साथ विदेशों में भी रोजगार दिलाने का कार्य निरंतर जारी है। उन्होंने कहा कि जापानी प्रतिनिधिमंडल द्वारा राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की गई है। शिक्षण एवं कौशल विकास कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में आगे भी कार्य किया जाएगा, ताकि उत्तराखण्ड के युवा वैश्विक रोजगार बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार कर सकें और उन्हें विदेशों में बेहतर रोजगार के अवसर प्राप्त हों।

इस अवसर पर उपनिदेशक श्रीमती चंद्रकांता, नोडल अधिकारी सुश्री विनीता बड़ोनी, लर्नेट स्किल्स के स्टेट हेड श्री रमेश पेटवाल, दून विश्वविद्यालय से जापानी भाषा की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. दीपिका भाटिया, प्लेसमेंट सेल की प्रभारी डॉ. स्वाति बिष्ट एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

पूर्व विधायक सत्यवीर त्यागी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया, समर्थकों ने दी शुभकामनाएं

किठौर(वेलकम इंडिया)। किठौर विधानसभा के पूर्व विधायक सत्यवीर त्यागी का जन्मदिन सोमवार को उनके आवास पर हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक उनके आवास पहुंचे और पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में अल्पसंख्यक मंडल अध्यक्ष मोहम्मद फैजी खान, अरीब खान, शाह नजर रंगरेज, राजू भड़ाना सहित विधानसभा के पांचों मंडलों के अध्यक्षों ने पूर्व विधायक से मुलाकात कर उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। इसके अलावा किठौर विधानसभा के समस्त भाजपा कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने भी उनके आवास पहुंचकर जन्मदिन की बधाई दी। वहीं अनेक शुभचिंतकों, समर्थकों एवं क्षेत्रवासियों ने सोशल मीडिया और फोन कॉल के माध्यम से भी पूर्व विधायक सत्यवीर त्यागी को जन्मदिन की शुभकामनाएं प्रेषित कीं।जन्मदिन के अवसर पर पूरे दिन समर्थकों का उनके आवास पर तांता लगा रहा और सभी ने उनके स्वस्थ, सुखद एवं सफल जीवन की कामना की।

श्री जैन श्वेताम्बर पार्श्वनाथजी मंदिर, चारकमान में गुरुदेव श्री का मंगल प्रवेश संपन्न

वेलकम इंडिया संवाददाता

ठाणा। परम पूज्य गुरुदेव सूरि सम्राट, राष्ट्ररत्न, अवंती तीर्थोद्धारक, खरतरगच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा., पूज्य गणिवर्य श्री मयंकप्रभसागरजी म.सा. आदि ठाणा-9 की पावन निश्रा एवं पूज्या गणिनी प्रवरा श्री सुलोचनाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा-34 की पावन सानिध्यता में श्री संघ शास्ता वर्षावास समिति, त्रयनगर के तत्वावधान में दिनांक 21 जुलाई 2026 को श्री जैन श्वेताम्बर पार्श्वनाथजी मंदिर, चारकमान में गुरुदेव श्री का मंगल प्रवेश संपन्न हुआ।

प्रातः 7:31 बजे गाजते-बाजते भव्य सामैया के साथ गुरुदेव श्री का मंगल प्रवेश हुआ। मंगल प्रवेश के उपरांत धर्मसभा का आयोजन किया गया। चिंतामणि पार्श्व महिला मंडल द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। धर्मसभा में पूज्य गुरुदेव श्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि संसार में परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत नियम है। बाहरी परिवर्तन स्वाभाविक हैं, किंतु मनुष्य को अपने मन, स्वभाव एवं जीवन-दृष्टि में सकारात्मक परिवर्तन लाकर आत्मकल्याण के मार्ग पर अग्रसर होना चाहिए।

उन्होंने चातुर्मास को आत्मचिंतन, आत्मशुद्धि एवं आत्मपरिवर्तन का श्रेष्ठ अवसर बताते हुए धर्म, तप एवं आराधना से जुड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर पूज्या साध्वी श्री प्रिय श्रेयांजनाश्रीजी म.सा. ने भी प्रेरणादायी प्रवचन प्रदान कर श्रद्धालुओं को धर्ममार्ग पर अग्रसर होने की प्रेरणा दी। धर्मसभा के पश्चात श्रीसंघ की ओर से स्वामीवात्सल्य का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रीतेश बोहरा ने किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री संघ शास्ता वर्षावास समिति-2026, त्रयनगर के अध्यक्ष अशोक कटारिया, उपाध्यक्ष पदम नाहटा, सचिव प्रवीण नाहटा, संयुक्त सचिव दिलीप झाबक, कोषाध्यक्ष मनोज लूंकड़, संयुक्त कोषाध्यक्ष कुलदीप वैद, चातुर्मास प्रधान संयोजक कुशल कंकरिया, दादावाड़ी ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष प्रशांत श्रीमाल सहित समिति के पदाधिकारियों, ट्रस्ट सदस्यों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का सराहनीय सहयोग एवं गरिमामयी उपस्थिति रही। यह समाचार नेमिकांतिमणि टीम द्वारा संकलित एवं प्रस्तुत किया गया है।

बरेली में गौकशी की साजिश नाकाम, पुलिस मुठभेड़ में दो आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

बरेली। बरेली के भोजीपुरा क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गौकशी की तैयारी कर रहे दो आरोपियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के पहुंचते ही आरोपियों ने फायरिंग कर दी, जिसमें एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। जवाबी कार्रवाई में दोनों आरोपियों के पैरों में गोली लगी।

मौके से पेड़ से रस्सियों से बंधा एक जिंदा बैल सुरक्षित बरामद किया गया। इसके अलावा दो अवैध तमंचे, कारतूस, बड़े छुरे, बांका, लोहे के औजार और गौकशी में इस्तेमाल होने वाला अन्य सामान भी बरामद हुआ।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान धौराटांडा निवासी दानिश और फईम के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में दोनों ने कुछ दिन पहले अपने साथियों के साथ गौवध कर मांस बेचने की बात स्वीकार की और दोबारा उसी वारदात की तैयारी कर रहे थे। जांच में यह भी सामने आया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ पहले से गोवध और अवैध हथियारों सहित कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस ने दोनों के खिलाफ हत्या के प्रयास, गोवध निवारण अधिनियम, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम और आर्म्स एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया है। फरार अन्य आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है।

भाई की हत्या का मुख्य आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में लगी गोली, सिपाही भी घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

बरेली। बरेली के शेरगढ़ थाना क्षेत्र में 17 जुलाई को हुए इसरार खान हत्याकांड के मुख्य आरोपी गुड्डू उर्फ तौफीक को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए फायरिंग की, जिसके जवाब में हुई कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। मुठभेड़ के दौरान सिपाही अंकुर भाटी भी गोली लगने से घायल हो गए। दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी मृतक इसरार खान का सगा भाई है। 17 जुलाई को मकान विवाद के चलते खजुआ जागीर गांव में इसरार खान की हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद से आरोपी फरार चल रहा था। लगातार तलाश के बाद मंगलवार तड़के कस्बापुर गांव के पास किच्छा नदी पुल के निकट पुलिस और आरोपी के बीच मुठभेड़ हुई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही हत्याकांड से जुड़े अन्य पहलुओं की भी गहन जांच जारी है।

भारतीय किसान यूनियन ने प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन, प्रेमनाथ उर्फ गुड्डू चौधरी के नेतृत्व में उठी किसानों की आवाज

नरेश टिकैत के मार्गदर्शन में 15 सूत्रीय मांग पत्र, एमएसपी, गन्ना भुगतान व बिजली समेत कई मुद्दे शामिल

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। किसानों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन ने मजबूत पहल करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित एक विस्तृत ज्ञापन जिलाधिकारी संतकबीरनगर के माध्यम से सौंपा। यूनियन के जिलाध्यक्ष प्रेमनाथ उर्फ गुड्डू चौधरी के नेतृत्व में दिए गए इस ज्ञापन में राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत के मार्गदर्शन का उल्लेख करते हुए किसानों, कृषि मजदूरों और ग्रामीण भारत से जुड़े अहम मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया।

ज्ञापन में कहा गया कि लगातार बढ़ती खेती लागत और फसलों के उचित मूल्य न मिलने से किसान आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। गन्ना किसानों का भुगतान लंबे समय से लंबित है, जबकि उर्वरकों की किल्लत और प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़, अतिवृष्टि व ओलावृष्टि से फसलों को भारी नुकसान हो रहा है। यूनियन ने मांग की कि स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश (C2+50%) के आधार पर सभी फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी दी जाए तथा गन्ने का राज्य परामर्श मूल्य न्यूनतम 500 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया जाए और बकाया भुगतान ब्याज सहित तत्काल कराया जाए।

इसके अतिरिक्त ज्ञापन में किसानों व कृषि मजदूरों की संपूर्ण ऋण माफी, कृषि कार्य के लिए मुफ्त बिजली, ग्रामीण उपभोक्ताओं को 300 यूनिट निःशुल्क बिजली, मनरेगा के तहत 200 दिन रोजगार व 700 रुपये दैनिक मजदूरी, उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता, फसल बीमा योजना में पारदर्शिता, भूमि अधिग्रहण कानून 2013 का पालन, विदेशी व्यापार समझौतों से किसानों के हितों की रक्षा, डेयरी व बीज क्षेत्र में स्वदेशी हितों का संरक्षण और युवाओं के लिए कृषि आधारित रोजगार सृजन जैसी कुल 15 मांगें प्रमुखता से रखी गईं।

वहीं, भारतीय किसान यूनियन ने जिलाधिकारी संतकबीरनगर को सौंपे गए अलग ज्ञापन में स्थानीय समस्याओं को भी विस्तार से उठाया। इसमें विकास खंड बघौली के ग्रामसभा मलोरना में नाला निर्माण, जनपद की सड़कों की मरम्मत व चौड़ीकरण, खतौनी में त्रुटियों का सुधार, अघोषित बिजली कटौती पर रोक, खाद-बीज की उपलब्धता, सेमरियावां ब्लॉक में सफाई व इंटरलॉकिंग, नहरों के माइनरों में पानी की आपूर्ति, पेंशन योजनाओं का समय पर लाभ, दवा कालाबाजारी पर रोक, धरना स्थल का सुंदरीकरण और छुट्टा पशुओं की समस्या के समाधान की मांग की गई।

ज्ञापन में यूनियन की ओर से प्रेम नाथ चौधरी (जिलाध्यक्ष) का भी उल्लेख किया गया है, जिन्होंने किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए सरकार से त्वरित कार्रवाई की मांग की। संगठन ने प्रशासन से सभी बिंदुओं पर 15 दिन के भीतर परिणामात्मक कार्रवाई करने का अनुरोध किया है, अन्यथा व्यापक आंदोलन की चेतावनी दी है। इस अवसर पर किसानों ने ह्रजय जवान, जय किसानह्व का नारा बुलंद करते हुए कहा कि किसान देश की रीढ़ हैं और उनके हितों की अनदेखी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक ने जनसुनवाई में शिकायतकताओं की समस्याओं को सुनकर त्वरित निस्तारण हेतु दिए गए आवश्यक निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। मंगलवार को पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने जनसुनवाई को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से कार्यालय में उपस्थित होकर फरियादियों की शिकायतों एवं समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को शिकायतों के निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण करते हुए निर्धारित समयावधि में उसका समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा शिकायतकताओं को की गई कार्यवाही से अवगत भी कराया जाए।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान कर पुलिस के प्रति जनता के विश्वास को और अधिक मजबूत बनाना है। जनपद पुलिस आमजन की समस्याओं के समाधान एवं बेहतर पुलिसिंग के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

भूजल सप्ताह - जल संरक्षण का करें संकल्प, इसका नहीं कोई विकल्प

वेलकम इंडिया संवाददाता

रामपुर। ज़िला चिकित्सालय रामपुर में प्रदेश भर में चल रहे भूजल सप्ताह 16 जुलाई से 22 जुलाई ' का आयोजन किया गया जिसमें गोष्टि, पोस्टर प्रतियोगिता आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया , जिसमें विभिन्न जनप्रतिनिधि,कर्मचारियों छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। आयोजन का शुभारंभ जनप्रतिनिधि के रूप में आए प्रेम पाल सैनी के स्वागत से हुआ इसके बाद चिकित्सालय में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्र/छात्राओं द्वारा जल संगरक्षण, स्वच्छ जल, जल ही जीवन, आदि के ऊपर बनाए गए पोस्टर प्रदर्शित किए गए साथ ही छात्र/छात्राओं ने अपने-अपने विचार भी प्रस्तुत किए। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ बी सी सक्सेना जी ने बताया की शासन द्वारा दिए गए दिशा निदेशों के क्रम में ज़िला चिकित्सालय में भूजल सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है जिसमें अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है जिसका उद्देश्य जल संचयन, संरक्षण एवं संवर्धन है , बताया कि विदित हो की प्रदेश में 70 प्रतिशत सिंचाई भूजल संसाधनो पर निर्भर है जबकि पेयजल सेक्टर की लगभग 80 प्रतिशत आवश्यकता भूजल स्रोतों से ही की जाती है, अत्यधिक निर्भरता ने कई क्षेत्रों में अत्यधिक दोहन की स्तिथि उतपन्न कर दी है , उन्होंने आगे बताया की कैसे हम बारिश के पानी का संरक्षण कर सकते हैं और अपनी प्रकृति को इसका लाभ दिला सकते हैं, सभी से अनुरोध किया की स्वयं अपनी ज़िम्मेदारी को समझें और पानी को बर्बाद होने से बचाएँ , चिकित्सालय में भी अनेक स्थान पर ऐसे चार वर्षा जल संचयन पिट हैं जिनसे बारिश के पानी को वापस भूमि में संग्रहित किया जाता है। कार्यक्रम में आए जनप्रतिनिधि द्वारा भी बताया गया की उनके द्वारा भी पर्यावरण संरक्षण के लिए एक एन.जी.ओ. भी चलायी जा रही है जिसका उद्देश्य जल, पर्यावरण को बचाना है। कार्यक्रम कर संचालन श्री हरीश चंद्रा ने किया। अंत में कार्यक्रम में आए सभी कर्मचारी, छात्र-छात्राओं ने ये संकल्प लिया की सभी जल संरक्षण हेतु अपना अपना सहयोग अवश्य देंगे और भूजल की स्तिथि को सुधारेंगे।

अवैध तमंचे के साथ गैंगस्टर गिरफ्तार, पुलिस को देखकर भागा, पीछा कर दबोचा

वेलकम इंडिया संवाददाता

बरेली। बरेली के क्योलड़िया थाना क्षेत्र में पुलिस ने गश्त के दौरान एक हिस्ट्रीशीटर गैंगस्टर को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस वाहन को देखते ही आरोपी भागने लगा, लेकिन टीम ने पीछा कर उसे कुछ ही दूरी पर पकड़ लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 315 बोर का अवैध तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रहीश शेख उर्फ रहीसुद्दीन (35), निवासी भौआ बाजार के रूप में हुई है।पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ पहले से गैंगस्टर एक्ट, आर्म्स एक्ट समेत कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। उसके विरुद्ध नया मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपी अवैध हथियार लेकर किस उद्देश्य से घूम रहा था और हथियार कहां से प्राप्त किया।

जौहर युनिवर्सिटी मामले सपा का बडा प्रदर्शन जिलाध्यक्ष ने खून से लिखा ज्ञापन दिया

वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रतापगढ़। समाजवादी पार्टी और इसके युवा संगठनों (जैसे मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड और युवजन सभा) द्वारा हाल ही में रामपुर स्थित जौहर यूनिवर्सिटी पर प्रशासन की संभावित बुलडोजर कार्रवाई और ध्वस्तीकरण आदेश के विरोध में प्रदर्शन किया गया है। सपा कार्यकताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और कलेक्ट्रेट में खून से लिखा ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा। इस दौरान सपा नेता साजिद अली ने खून से लिखा ज्ञापन देकर विरोध दर्ज कराया।

विरोध प्रदर्शन के बाद सपा कार्यकताओं ने राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा। इस दौरान, मुलायम यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष साजिद अली ने अपने खून से लिखा ज्ञापन अधिकारियों को देकर अपना विरोध दर्ज कराया।

जिलाध्यक्ष साजिद अली ने आरोप लगाया कि सरकार नक्शे को आधार बनाकर जौहर यूनिवर्सिटी पर कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

उन्होंने तर्क दिया कि प्रदेश में अनेक इमारतें बिना नक्शे के संचालित हो रही हैं, और यदि इसी आधार पर कार्रवाई की गई तो पूरे प्रदेश की तमाम इमारतों पर भी कार्रवाई करनी पड़ेगी।

प्रतापगढ़ सपा अध्यक्ष साजिद अली ने कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि समाज के सभी वर्गों के छात्र-छात्राओं के लिए शिक्षा का केंद्र है। उन्होंने सरकार से इस संस्थान पर किसी भी प्रकार की बुलडोजर कार्रवाई से बचने का आग्रह किया। सरकार को सपा नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जौहर यूनिवर्सिटी पर बुलडोजर कार्रवाई की गई, तो समाजवादी पार्टी प्रतापगढ़ में एक बड़ा जनआंदोलन शुरू करेगी। किसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार और प्रशासन की होगी।

रिश्वत मांगने पर वाराणसी विकास प्राधिकरण ने आउटसोर्सिंग निरीक्षक को किया तत्काल बर्खास्त

भ्रष्टाचार पर 'जीरो टॉलरेंस', वीडिए उपाध्यक्ष पूर्ण बोरा ने लिया त्वरित एक्शन

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी विकास प्राधिकरण ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए अवाप्ति एवं सीलिंग अनुभाग में आउटसोर्सिंग पर तैनात राजस्व निरीक्षक रामजन्म सिंह की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी हैं।

जनता दर्शन में एक आवेदक ने उपाध्यक्ष श्री पूर्ण बोरा से शिकायत की कि मानचित्र की अनापत्ति जारी करने के बदले उनसे रिश्वत मांगी गई। आवेदक ने बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग भी प्रस्तुत की और बताया कि लेन-देन के लिए वीडिए परिसर की पार्किंग में बुलाया गया था।

उपाध्यक्ष श्री पूर्ण बोरा ने साक्ष्यों का तत्काल परीक्षण कर उत्तर प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत दोषी कर्मचारी को बर्खास्त कर दिया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष ने कड़े शब्दों में कहा कि अब वीडिए में किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा बहुत हो गया कार्यालय में पारदर्शिता और ईमानदारी ही चलेगी। वीडिए ने स्पष्ट किया कि प्राधिकरण में पारदर्शी और भ्रष्टाचार-मुक्त व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उपाध्यक्ष ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी धन की मांग करे तो सुबह दस बजे से बारह बजे के बीच कार्यालय आकर साक्ष्य सहित शिकायत दर्ज कराएं। प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष एवं त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

माता पार्वती जन्मोत्सव पर शालीग्राम मंदिर में हुआ विशाल भंडारे का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागपत,उत्तर प्रदेश। नगर स्थित प्राचीन शालीग्राम मंदिर में माता पार्वती जन्मोत्सव एवं अष्टमी के पावन अवसर पर सुप्रसिद्ध समाजसेवी सुरेंद्र लाल शर्मा एवं इलेक्ट्रो होम्योपैथ चिकित्सक डॉ अनिल शर्मा के सौजन्य से आयोजित विशाल भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित हर्ष शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ माता पार्वती की विशेष पूजा-अर्चना कर किया। पूजा के दौरान भक्तों ने माता रानी के जयकारों से पूरे मंदिर परिसर को भक्तिमय बना दिया। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। डॉ अनिल शर्मा ने बताया कि धार्मिक आयोजनों का उद्देश्य केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में सेवा, सद्भाव और आपसी भाईचारे की भावना को मजबूत करना भी है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से सामाजिक और धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। पूरे आयोजन में अनुशासन, व्यवस्था और सेवा भावना की सभी ने सराहना की। इस अवसर पर डॉ सुनील, डॉ वीरेंद्र, विराट, हर्ष, सोनिया, पूनम, कृष्णपाल, धर्मेंद्र उर्फ सोनू, सभासद मोंटी चौहान, अंशुधर भारद्वाज, मनीष गर्ग, सचिन गर्ग, अवधेश, गौतम, बादल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

लायन्स क्लब वाराणसी सिटी के 37वें अधिष्ठापन समारोह में आशीष केशरी ने संभाली अध्यक्ष पद की कमान

अध्यक्ष आशीष केशरी ने कहा सेवा, स्वास्थ्य,शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण को मिलेगी प्राथमिकता

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। लायन्स क्लब वाराणसी सिटी का 37वां अधिष्ठापन समारोह मडुआडीह स्थित होटल ब्लिस बनारस के सभागार में गरिमापूर्ण एवं भव्य वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में सत्र 2026-27 के लिए नवनिर्वाचित अध्यक्ष लायन आशीष केशरी ने विधिवत पदभार ग्रहण कर क्लब की कमान संभाली।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं राष्ट्रगान से हुआ जबकि कुमारी त्रिशा गुप्ता ने ईश वंदना प्रस्तुत कर सभी को भावविभोर कर दिया। निवर्तमान अध्यक्ष लायन वी कृष्ण कुमार एवं नवनिर्वाचित अध्यक्ष लायन आशीष केशरी ने अतिथियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर क्लब के चार्टर सदस्य लायन दीपक अग्रवाल,लायन वी कृष्ण कुमार एवं लायन आनंद नारायण कपूर को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। सचिव लायन शिवशंकर कपूर ने वर्ष 2025-26 की वार्षिक सचिवीय रिपोर्ट प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि एवं मंडलाध्यक्ष लायन उदय चांदनी ने नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए क्लब की सेवा गतिविधियों की सराहना की। अधिष्ठापन अधिकारी लायन हरेंद्र नारायण सिंह (मंडल 321 बी1) ने अध्यक्ष आशीष केशरी, सचिव हर्ष टंडन,कोषाध्यक्ष रवि कुमार गुप्ता सहित पूरी नई कार्यकारिणी को कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। उपमंडलाध्यक्ष प्रथम उमेश चंद्र कक्कड़ ने नए सदस्यों को सदस्यता की शपथ दिलाई जबकि उपमंडलाध्यक्ष द्वितीय लायन श्याम बाबू वर्मा ने नई टीम का उत्साहवर्धन किया।

पदभार ग्रहण करने के बाद अध्यक्ष आशीष केशरी ने कहा कि उनकी टीम निवर्तमान अध्यक्ष लायन वी कृष्ण कुमार के सफल कार्यों को आगे बढ़ाते हुए अंतरराष्ट्रीय एवं मंडलीय कार्यक्रमों के साथ-साथ स्वास्थ्य,शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सेवा कार्यों को प्राथमिकता देगी तथा समाज के जरूरतमंद लोगों की हर संभव सहायता करेगी। समारोह के दौरान पूर्व मंडलाध्यक्ष एवं क्लब संरक्षक लायन मुकुंद लाल टंडन ने क्लब को प्राप्त अंतरराष्ट्रीय एवं मल्टीपल स्तर के प्रमाण पत्र और पदक प्रदान कर सदस्यों को सम्मानित किया।

कार्यक्रम का संचालन लायन डॉ.राकेश कुमार श्रीवास्तव एवं लायन एडवोकेट अनिल कुमार टंडन ने संयुक्त रूप से किया। आयोजन को सफल बनाने में संयोजक लायन रवि कुमार अरोड़ा एवं लायन मनीष कुमार सिंह की विशेष भूमिका रही।

रामपथ-कृष्णपथ की अपील पर छिड़ी चर्चा, डॉ. सुनील कुमार ने रखे आध्यात्मिक व्यवस्था के विचार

हर वर्ग अपनी आध्यात्मिक परंपरा के अनुरूप चले तो सामाजिक घर्षण कम हो सकता है, समाज में संतुलन और समरसता बढ़ेगी: डॉ. सुनील कुमार

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। एक आध्यात्मिक वक्तव्य जारी करते हुए वक्ता ने वर्तमान समय को 'आदित्य युग' बताते हुए दावा किया कि कल्कि भगवान की आध्यात्मिक चेतना सक्रिय है और मानव चेतना के जागरण का कार्य चल रहा है। वक्तव्य में कहा गया कि सनातन समाज के विभिन्न वर्गों के लिए अलग-अलग आध्यात्मिक मार्ग निर्धारित हैं तथा यादव एवं अन्य चंद्रवंशी क्षत्रियों के लिए 'रामपथ' और सूर्यवंशी क्षत्रियों (राजपूतों) के लिए 'कृष्णपथ' का अनुसरण करने की बात कही गई। वक्तव्य में आरोप लगाया गया कि वर्तमान धार्मिक व्यवस्था में मूल आध्यात्मिक सिद्धांतों से विचलन हुआ है और कुछ धार्मिक परंपराओं एवं व्यवस्थाओं की आलोचना भी की गई। साथ ही गुरु परंपरा, कृपाचार्य,द्रोणाचार्य तथा विभिन्न धार्मिक मान्यताओं को लेकर अपने विचार व्यक्त किए गए। जारी वक्तव्य में दावा किया गया कि वर्तमान समय में त्रेता और द्वापर युग की व्यवस्थाओं को उलटकर प्रस्तुत किया जा रहा है जिससे सामाजिक असंतुलन उत्पन्न होने की आशंका है। इसके समर्थन में श्रीकृष्ण और भगवान राम से जुड़े विभिन्न धार्मिक स्थलों एवं ऐतिहासिक संदर्भों का उल्लेख किया गया। वक्तव्य के अंत में आमजन से कई धार्मिक अपीलें भी की गईं जिनमें तुलसी के सेवन,वृंदावन यात्रा,वैजयंती माला के प्रयोग,भगवान शिव को विषैली वस्तुएं अर्पित न करने तथा ब्रह्मा,सरस्वती संबंधी मान्यताओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए गए।

हज-2027 के ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 24 जुलाई तक बढ़ी: जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुंबई द्वारा हज सत्र-2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 24 जुलाई 2026 कर दी गई है। इस संबंध में जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मानवेन्द्र राजपूत ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इच्छुक आवेदकों से समय रहते आवेदन करने की अपील की है।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, हज आवेदन के लिए मशीन से पढ़ा जाने वाला (Machine Readable) पासपोर्ट अनिवार्य है, जिसकी वैधता 31 दिसंबर 2027 तक होनी चाहिए। आवेदन के दौरान पासपोर्ट, पासपोर्ट साइज फोटो, पासपोर्ट के प्रथम एवं अंतिम पृष्ठ, निवास प्रमाण पत्र तथा बैंक खाते का विवरण अपलोड करना होगा। हज-2027 में यात्रियों के लिए 40 दिन और 20 दिन की दो श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। आवेदन करते समय इच्छुक यात्री अपनी सुविधा के अनुसार विकल्प चुन सकते हैं। एक आवेदन में अधिकतम 5 लोग शामिल हो सकते हैं, लेकिन सभी एक ही श्रेणी के होने चाहिए।

महिलाओं के लिए बिना मेहरम (Ladies Without Mehram) श्रेणी सहित वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। विस्तृत दिशा-निर्देश हज कमेटी ऑफ इंडिया एवं उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने बताया कि आवेदकों की सुविधा के लिए मदरसा कासिमिया अरबिया इस्लामिया, ऊपरकोट, बुलंदशहर में हज ई-सुविधा केंद्र स्थापित किया गया है, जहां निःशुल्क आवेदन की सुविधा उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय, बुलंदशहर से भी संपर्क किया जा सकता है।

विश्व धर्म सेवा संघ द्वारा सुसवाही में वृक्षारोपण अभियान का किया गया शुभारंभ,एक लाख पौधे लगाने का लिया संकल्प

अध्यक्ष एवं संस्थापक सतीश कुमार माली के नेतृत्व में 25 पौधों का रोपण,पर्यावरण संरक्षण के लिए जन-जागरूकता का संदेश

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। विश्व धर्म सेवा संघ द्वारा सुसुवाही स्थित गणेशपुरी कॉलोनी और यूनियन बैंक के पास स्थित मनोरथपुरी कॉलोनी में पर्यावरण संरक्षण एवं जन- जागरूकता के उद्देश्य से वृक्षारोपण अभियान का किया गया आयोजन। वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान 25 पौधों का रोपण किया गया तथा उनकी नियमित देखभाल का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व विश्व धर्म सेवा संघ के अध्यक्ष एवं संस्थापक सतीश कुमार माली ने किया।

उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल पौधे लगाना ही नहीं,बल्कि उनकी सुरक्षा और देखभाल सुनिश्चित करना भी है। संघ ने एक लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है जिसे जनसहभागिता के माध्यम से पूरा किया जाएगा। सतीश कुमार माली ने कहा कि वृक्ष ही जीवन का आधार हैं पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है यदि हर व्यक्ति कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ,हरित और सुरक्षित वातावरण मिल सकता है। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने लोगों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक होने की अपील की है। विश्व धर्म सेवा संघ ने बताया कि समाज में सेवा, मानवता,पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

वृक्षारोपण कार्यक्रम में विनीत कुमार सिंह, दीपक श्रीवास्तव, अशोक पटेल, गणेश कुमार यादव, बबलू सैनी एवं कमल किशोर सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बिजली खराब करने के आरोप में मारपीट कर घायल किया

शिकारपुर(वेलकम इंडिया)। सलेमपुर क्षेत्र के गांव जटपुरा में बिजली खराब करने के आरोप को लेकर हुए विवाद में चार लोगों ने एक व्यक्ति को मारपीट कर घायल कर दिया। प्रेम प्रताप पुत्र रघुराज सिंह ने पुलिस में दर्ज कराए मामले में कहा है कि गांव में कलुआ, भूरा, दीपू और विक्की बिजली के खंभे पर चढ़कर तारों से छेड़खानी कर रहे थे। जिसका उसने विरोध किया तो आरोपियों ने बिजली खराब करने का आरोप लगाते हुए उसके साथ मारपीट की जिसमें वह घायल हो गया। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है।

बेलगाम भैंसा बुग्गी ने बाइक सवार को रौंदा

शिकारपुर(वेलकम इंडिया)। सलेमपुर क्षेत्र के गांव में पीछे से आई बेलगाम भैंसा बुग्गी ने बाइक सवार को टक्कर मार कर घायल कर दिया। जगदीश पुत्र नंदू ने सलेमपुर थाने में दर्ज कराए मामले में कहा है कि वह बाइक पर सवार होकर खेत पर काम करने जा रहा था। रास्ते में गांव निवासी मयंक पुत्र चरण सिंह ने तेज गति से लाकर भैंसा बुग्गी से उसे और बाइक को रौंद दिया। हादसे में उसके बाएं हाथ की हड्डी टूट गई और बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने आरोपी बुग्गी चालक के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है।

अहमदगढ़ थाना पुलिस ने चार शराब तस्कर को किया गिरफ्तार

शिकारपुर(वेलकम इंडिया)। तहसील क्षेत्र की,अहमदगढ़ थाना पुलिस ने चार शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है थाना प्रभारी निरीक्षक विशंभर दयाल ने बताया है कि गांव कनहेरा निवासी महिपाल पुत्र राम सिंह और गांव बगठारी निवासी सुरेश सिंह पुत्र देवी सिंह को 17 – 17 पव्वे देसी शराब के साथ गांव दौका रोड से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि गांव बगठारी निवासी राकेश कुमार पुत्र वीर सिंह को गांव दौका रोड से और यहीं के बनी सिंह उर्फ बनिया पुत्र शयोदन सिंह को गांव पैगंबरपुर रोड से 18 – 18 पव्वे देसी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है।

शिवपाल सिंह यादव से मिले काशी के सपा नेता, शक्तेशगढ़ आश्रम में लिया संत अगढ़ानंद महाराज का आशीर्वाद

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। मिजार्पुर स्थित सकक्तेगढ परमहंस सलामी अगढानंद महाराज के आश्रम मे दो दिवसीय भंडारा कार्यक्रम मे सपा के कद्दावर नेता शिवपाल सिंह यादव पहुंचे। काशी के सपा नेताओ ने मुलाकात कर आशीर्वाद प्राप्त किया। नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद लाल बिहारी यादव एवं सपा के वरिष्ठ नेता ज्ञानू यादव के नेतृत्व मे सपा नेताओ ने चुनार स्थित सक्तेशगढ मे अगढानंद महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया एवं भंडारा के आयोजन मे उपस्थिती दर्ज कराई। सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने काशी पुत्री एवं कैन्ट की पूर्व प्रत्याशी पूजा यादव एवं सपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा 'विश्वकर्मा' से कुशलक्षेम जाना एवं जल्द बनारस आने का भरोसा दिया। सपा नेता शिवपाल सिंह यादव से मुलाकात करने वालो मे प्रमुख रूप से नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद लाल बिहारी यादव,वरिष्ठ सपा नेता ज्ञानू यादव,कैन्ट की पूर्व प्रत्याशी पूजा यादव,सपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा 'विश्वकर्मा', आशीष यादव,सत्यम यादव,आरती यादव आदि लोग उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री कृषि यंत्र अनुदान योजना के तहत आवेदन शुरू, किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों पर मिलेगा अनुदान

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश कृषि विभाग द्वारा किसानों को आधुनिक कृषि यंत्र उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। किसान भाई 16 जुलाई 2026 दोपहर 12:00 बजे से 10 अगस्त 2026 रात्रि 12:00 बजे तक विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कृषि विभाग के अनुसार सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन (SMAM), फसल अवशेष प्रबंधन, त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, दलहन मिशन तथा अन्य योजनाओं के तहत कृषि यंत्रों पर अनुदान दिया जाएगा। इनमें कस्टम हायरिंग सेंटर, फार्म मशीनरी बैंक, किसान ड्रोन, रोटावेटर, स्प्रेयर, बैच ड्रायर, पंपिंग मशीन, मिलेट पर्लर, दाल मिल सहित विभिन्न कृषि उपकरण शामिल हैं। विभाग ने बताया कि कृषि यंत्रों की बुकिंग एवं आवेदन www.agriculture.up.gov.in पर ऑनलाइन किए जाएंगे। किसान पोर्टल पर 'किसान कॉर्नर' में जाकर 'यंत्र बुकिंग प्रारंभ' लिंक के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन कर योजना का लाभ उठाएं। अधिक जानकारी के लिए संबंधित जनपद के उप कृषि निदेशक कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

अहार क्षेत्र के फतहपुर मड़ैया गांव में तेंदुए की दस्तक, कुत्ते को बनाया शिकार

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। अहार क्षेत्र के गांव फतहपुर मड़ैया में सोमवार देर रात तेंदुए की आमद से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। रात करीब साढ़े तीन बजे ओमपाल भाटी के घर के पास तेंदुआ दिखाई दिया, जिसे देखकर आसपास के कुत्ते भौंकने लगे। इसी दौरान तेंदुए ने एक कुत्ते को अपने जबड़ों में दबोच लिया और खादर क्षेत्र की ओर खेतों में चला गया।

कुत्तों के लगातार भौंकने की आवाज सुनकर ग्रामीण जाग गए और टॉर्च लेकर खेतों की ओर तेंदुए की तलाश में निकल पड़े। कुछ देर बाद रमेश के खेत में उक्त कुत्ता मृत अवस्था में मिला, जिससे तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि होने पर गांव में भय का माहौल बन गया।

घटना की सूचना वन विभाग की अहार चौकी को दी गई। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और क्षेत्र का निरीक्षण कर तेंदुए की तलाश शुरू कर दी। वन विभाग ने ग्रामीणों से सतर्क रहने, रात के समय अकेले खेतों की ओर न जाने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल विभाग को देने की अपील की है।

महिला सशक्तिकरण का सशक्त मंच बना 'विदिशा हाट', 70 स्टॉलों ने खींचा शहरवासियों का ध्यान,बिखेरी रौनक

'विदिशा हाट' बना महिलाओं की प्रतिभा और स्वरोजगार का उत्सव,खरीदारी को उमड़ी भीड़

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन विदिशा शाखा द्वारा महिला उद्यमिता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महमूरगंज स्थित शुभम लॉन में भव्य 'विदिशा हाट' मेले का सफल आयोजन किया गया। मेले में शहर सहित विभिन्न राज्यों और नगरों से आए उद्यमियों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया जिससे यह आयोजन खरीदारी और महिला उद्यमिता का प्रमुख केंद्र बन गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रसिद्ध डिजाइनर एनी जैन, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश कोषाध्यक्ष रानिका जायसवाल तथा अग्रवाल जेम्स के अधिष्ठाता विशाल अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया इस अवसर पर नगर के अनेक गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शाखा की सांस्कृतिक मंत्री मीनू पोद्दार एवं श्वेता केडिया ने किया। मेले में लगभग 70 स्टॉल लगाए गए थे जिनमें विदिशा के अलावा वाराणसी, प्रयागराज,दिल्ली सहित देश के विभिन्न शहरों से आए प्रदर्शकों ने भाग लिया। सुबह दस बजे से शाम आठ बजे तक चले मेले में बड़ी संख्या में लोगों ने खरीदारी की। आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए एक ही स्थान पर उपलब्ध विविध आकर्षक उत्पादों ने लोगों को खूब आकर्षित किया महिलाओं की विशेष रूप से उल्लेखनीय भागीदारी रही। स्टॉलधारकों ने आयोजन की सफलता के लिए संस्था एवं संयोजिकाओं नीतू मुरारका,अलका बाजोरिया,संध्या अग्रवाल और मीना अग्रवाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस मंच ने महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रचार-प्रसार और व्यवसाय विस्तार का बेहतर अवसर प्रदान किया। शाखा अध्यक्षा सरोज तुलस्यान ने सभी अतिथियों का स्वागत किया जबकि सचिव प्रीति बाजोरिया ने मेले में पधारे अतिथियों, स्टॉलधारकों, सहयोगियों एवं नगरवासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आयोजन को सफल बनाने में सभी के सहयोग की सराहना की। इस अवसर पर आर के चौधरी,कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष चंदन खेमका, संस्थापिका अध्यक्ष मधु तुलस्यान,शोभा सिंधी,सुनीता जिंदल,सुनीता कंदोई, कृष्णा चौधरी,छमा अग्रवाल सहित शाखा की सभी सदस्याएं एवं उनके परिवारजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की जानकारी प्रचार मंत्री समता डिडवानिया ने दी।

पुलिस कस्टडी में युवक की पिटाई मामले में दो एफआईआर दर्ज

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। जनपद के पहासू थाना क्षेत्र में पुलिस अभिरक्षा के दौरान युवक की पिटाई के मामले में पुलिस ने दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की हैं। पहली एफआईआर बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर पर कथित अभद्र टिप्पणी करने वाले युवक के खिलाफ दर्ज की गई है, जबकि दूसरी एफआईआर पुलिस अभिरक्षा में युवक के साथ मारपीट करने और हंगामा करने वाले दो दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि पुलिस कस्टडी में युवक की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया। वायरल वीडियो के आधार पर अज्ञात आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी देहात अंतरिक्ष जैन, सीओ डिबाई तथा पहासू थाना पुलिस सहित कई थानों का पुलिस बल मौके पर पहुंचा। क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने फ्लैग मार्च भी निकाला। यह घटना पहासू थाना क्षेत्र के कस्बा पहासू में मठ मंदिर के पास की बताई जा रही है। एसपी देहात अंतरिक्ष जैन ने बताया कि दोनों मामलों में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मुल्तानीमल मोदी कॉलेज में महिला कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मुल्तानीमल मोदी कॉलेज मोदीनगर में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), आंतरिक शिकायत समिति एवं रोवर्स-रेंजर्स के संयुक्त तत्वावधान में 'आनंदी माँ झ्र एक जीवन बचाओ एवं कैंसर मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत महिला कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं/ छात्राओं/ महिलाओं में स्तन कैंसर एवं सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समय पर जांच एवं उपचार के महत्व को जन-जन तक पहुँचाना था।

कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पण के साथ हुआ। मुख्य वक्ता डॉ. पूनम कुमारी , प्राणी विज्ञान विभाग ने महिलाओं में होने वाले स्तन एवं सर्वाइकल कैंसर के कारणों, प्रारम्भिक लक्षणों, नियमित जांच, स्व-परीक्षण, एचपीवी टीकाकरण तथा बचाव के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समय पर जांच और जागरूकता से हजारों महिलाओं का जीवन बचाया जा सकता है।

इसके उपरांत डॉ. योगेन्द्र प्रकाश सक्सेना, ने कैंसर जागरूकता पर अपने जन विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करना तथा प्रत्येक परिवार तक सही जानकारी पहुँचाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने छात्राओं से स्वयं जागरूक बनने और दूसरों को भी जागरूक करने का आह्वान किया। व्याख्यान के पश्चात रोवर्स-रेंजर्स प्रभारी डॉ. पूजा त्यागी एवं डॉ. नीतू कुमार, ने सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं स्वयंसेवकों को 'कैंसर मुक्त भारत' की शपथ दिलाई।

तत्पश्चात महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वयंसेवकों द्वारा कैंसर जागरूकता रैली निकाली गई। कार्यक्रम का सफल संचालन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने किया। अंत में आंतरिक शिकायत समिति की संयोजिका डॉ. सीमा राज ने सभी अतिथियों, वक्ताओं, शिक्षकों, स्वयंसेवकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी, डॉ. कोमल गुप्ता, डॉ. शिवांगी त्रिवेदी, डॉ. रविन्द्र कुमार, डॉ. वीरेन्द्र कुमार, रोवर्स-रेंजर्स प्रभारी डॉ. पूजा त्यागी एवं डॉ. नीतू कुमार, आंतरिक शिकायत समिति की संयोजिका डॉ. सीमा राज एवं सदस्य, डॉ. प्राची अग्रवाल, डॉ योगेन्द्र प्रकाश सक्सेना, डॉ. नीतू सिंह, डॉ. ऋचा यादव, महाविद्या बीवीलय के प्राध्यापकगण डॉ. अमर सिंह कश्यप,

सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से की मांग

मेरठ-बागपत-गाजियाबाद के केंद्रीय विद्यालयों में शुरू हो सेकेंड शिफ्ट

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। बागपत- मोदीनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पत्र लिखकर एनसीआर के गाज़ियाबाद, बागपत और मेरठ जनपदों के केंद्रीय विद्यालयों में बढ़ती प्रवेश समस्या का मुद्दा उठाया है। उन्होंने मांग की है कि इन जिलों के केंद्रीय विद्यालयों में आवश्यकता के अनुसार द्वितीय पारी शुरू की जाए और अतिरिक्त सेक्शनों को मंजूरी दी जाए।

सांसद ने कहा कि दिल्ली और नोएडा के कई केंद्रीय विद्यालयों में विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सेकेंड शिफ्ट संचालित की जा रही है, जिससे अधिक छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिल रहा है। लेकिन एनसीआर का हिस्सा होने के बावजूद मेरठ, बागपत और गाजियाबाद के केंद्रीय विद्यालयों में ऐसी व्यवस्था पर्याप्त रूप से उपलब्ध नहीं है।

उन्होंने बताया कि इन जनपदों में केंद्रीय कर्मचारियों के बच्चों के अलावा बड़ी संख्या में आर्थिक रूप से कमजोर और मेधावी विद्यार्थी केंद्रीय विद्यालयों में प्रवेश लेना चाहते हैं।

हालांकि सीमित सीटों और कम सेक्शनों के कारण कई पात्र छात्रों को प्रवेश नहीं मिल पाता, जिससे अभिभावकों को मजबूर होकर महंगे निजी विद्यालयों का सहारा लेना पड़ता है।

डॉ. राजकुमार सांगवान ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से कहा कि इन तीनों जनपदों के केंद्रीय विद्यालयों में आवश्यकता के अनुसार सेकेंड शिफ्ट शुरू करने और वर्तमान एवं नवस्थापित केंद्रीय विद्यालयों में अतिरिक्त सेक्शन स्वीकृत करने की व्यवस्था की जाए, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थियों, विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर एवं मेधावी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर मिल सके।

पुरुषार्थ क्रांतिकारी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का आमरण अनशन अब घर से

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। पुरुषार्थ क्रांतिकारी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र कौशिक के नेतृत्व में 10 जुलाई 2026 से एन एच हाईवे पर बने अवैध अतिक्रमण कर बने पीर मजार व माता के स्थान को लेकर के तहसील में संगठन का आमरण अनशन चल था। सोमवार की रात करीब 2:00 बजे बरसात अधिक होने के कारण टेंट गिर गया। पुरुषार्थ क्रांतिकारी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चोट भी आई। 2:30 बजे रात में अपने घर चले गए । राजेंद्र कौशिक ने बताया कि तहसील में उचित व्यवस्था नहीं होते हुए अपनी जान का खतरा देखते हुए मैंने निश्चय किया कि मैं अपना आमरण अनशन अपने घर पर रहकर करूंगा। उन्होंने इसकी सूचना उप जिलाधिकारी को दे दी गई है ।थाना अध्यक्ष मोदीनगर को भी सूचना दे दी गई है। अगर कोई घटना घटती है। सारी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। जब तक समस्या का समाधान नहीं होता आमरण अनशन जारी रहेगा।

राष्ट्रीय लोकदल की मैंगो पार्टी में संगठन को मजबूत बनाने लेकर चर्चा की

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। राष्ट्रीय लोकदल की ओर से मंगलवार को मोदीनगर स्थित दुल्हन बैंक्वेट हॉल में मैंगो पार्टी एवं कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस दौरान संगठन को मजबूत बनाने और आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर चर्चा की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रियता और जनसंपर्क पर निर्भर करती है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से जनता के बीच जाकर पार्टी की नीतियों को पहुंचाने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया। जिला अध्यक्ष जयदीप सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं की एकजुटता ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल किसानों, युवाओं और आमजन से जुड़े मुद्दों को लगातार उठाता रहा है और आगे भी जनता के हितों के लिए संघर्ष जारी रहेगा।

कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे के साथ आम का स्वाद चखा और संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की। वक्ताओं ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी विचार-विमर्श किया। अंत में सभी अतिथियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय लोकदल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

इंटर स्टेट कराटे चैंपियनशिप में मोदीनगर के खिलाड़ियों का रहा जलवा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गुड़गांव में आयोजित दो दिवसीय इंटर स्टेट कराटे चैंपियनशिप में मोदीनगर की (आनिया स्पोर्ट्स कराटे अकैडमी)के खिलाड़ियों का जलवा रहा। सब जूनियर बालीका वर्ग में (आनिया ने 30 किलोग्राम) भार वर्ग मे मेडल पर कब्जा जमाया जूनियर बालिका वर्ग मे (आराध्या चौधरी 52 किग्रा) (छवि राणा 45 किलोग्राम) भार वर्ग मैं गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। (वाणी शर्मा 35 किग्रा)ने सिल्वर मेडल वही (आरोही 35किग्रा)व (अंश चौधरी -25किग्रा)को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। सब जूनियर बालक वर्ग में (अनंजय 20 किलोग्राम) (अवियुक्त अग्रवाल 25 किलोग्राम) (मन्नत - 50 किलोग्राम) भार वर्ग मे गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। (मानसिंह चौधरी45किग्रा) ने सिल्वर मेडल वही जूनियर बालक वर्ग में (आयुष गिरी-70किग्रा) (शिवम 52 किलोग्राम भार वर्ग में गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया [कोच अजय कुमार) द्वारा बताया गया। इस चैंपियनशिप में 14 राज्यों के 530 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। विजेता खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के प्रमुख कराटे कोच (सुनील राठी)व विक्की यादव,सुनील सैनी, भाजपा वरिष्ठ नेता, युगबीर सिंह, धर्मेंद्र फौजी द्वारा विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनकर सम्मानित किया। वह उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

किड्जी मोदीनगर के छात्र कौस्तुभ गोस्वामी ने ताइक्वांडो प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण पदक

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। किड्जी मोदीनगर के लिए एक बार फिर गर्व का क्षण आया है। विद्यालय की कक्षा 1 के छात्र मास्टर कौस्तुभ गोस्वामी ने भारत नरेश गुप्ता मेमोरियल इंडिपेंडेंस कप इंटर-स्कूल ताइक्वांडो चैंपियनशिप-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय, अपने परिवार एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता का आयोजन बीएनजी इंटरनेशनल स्कूल, मेरठ में किया गया। कौस्तुभ की यह उपलब्धि उनके अनुशासन, आत्मविश्वास, कड़ी मेहनत और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है। उनकी सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर किड्जी मोदीनगर के प्रबंध निदेशक अनमोल बंसल ने कहा, 'कौस्तुभ की यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि सही मार्गदर्शन, निरंतर अभ्यास और दृढ़ संकल्प से बच्चे हर क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल कर सकते हैं। हमें अपने इस नन्हे चैंपियन पर गर्व है। मैं कौस्तुभ, उनके अभिभावकों और प्रशिक्षकों को हार्दिक बधाई देता हूँ तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।' विद्यालय की प्रधानाचार्या एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी कौस्तुभ को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। विद्यालय परिवार ने विश्वास व्यक्त किया कि कौस्तुभ आने वाले समय में भी अपनी प्रतिभा से नई ऊँचाइयाँ हासिल कर विद्यालय और देश का नाम रोशन करेंगे।

ऑपरेशन प्रहार में मसूरी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, गांजा तस्करी गिरोह का वांछित आरोपी गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना मसूरी पुलिस ने ₹ऑपरेशन प्रहार₹ के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध गांजा तस्करी मामले में फरार चल रहे एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर रिहान पुत्र फरमान निवासी तारापुरी, थाना लिसाड़ी गेट, मेरठ (हाल निवासी पिपलेड़ा, थाना धौलाना, हापुड़) को थाना मसूरी क्षेत्र से दबोच लिया।

इस मामले में पुलिस पहले ही 18 जुलाई 2026 को दानिश पुत्र कलुआ निवासी बाबू कॉलोनी, डासना को गिरफ्तार कर चुकी है। उसके कब्जे से 5 किलो 640 ग्राम अवैध गांजा तथा तस्करी में प्रयुक्त एक कार बरामद की गई थी। इस संबंध में थाना मसूरी में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20/29 के तहत मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तार वांछित आरोपी के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

युवती की शीघ्र बरामदगी की मांग को लेकर थाने पर हंगामा; आंदोलन की चेतावनी

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। मोदीनगर थाना क्षेत्र की नंद नगरी कॉलोनी से 14 जुलाई से लापता युवती का एक सप्ताह बाद भी कोई सुराग नहीं लगने पर सोमवार को परिजनों का सब्र जवाब दे गया। परिजनों और स्थानीय लोगों ने मोदीनगर थाने पहुंचकर पुलिस के खिलाफ नाराजगी जताई और युवती की शीघ्र बरामदगी की मांग को लेकर हंगामा किया। मामले की सूचना पर पुलिस अधिकारियों ने परिजनों को कार्रवाई का भरोसा देकर शांत कराया। परिजनों के अनुसार युवती 14 जुलाई को घर से निकली थी, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटी। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई पता नहीं चलने पर पुलिस में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। आरोप है कि कई दिन बीत जाने के बावजूद युवती का अब तक कोई सुराग नहीं लग सका है, जिससे परिवार गहरी चिंता और मानसिक तनाव में है। इस दौरान हिंदू जागरण मंच के सह संयोजक पंकज शर्मा भी समर्थकों के साथ थाने पहुंचे और पुलिस अधिकारियों से वार्ता की। उन्होंने कहा कि पुलिस को मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए युवती की सकुशल बरामदगी सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 21 जुलाई की शाम तक युवती का पता नहीं चलता है तो हिंदू जागरण मंच कार्यकर्ताओं के साथ मोदीनगर थाने पर धरना-प्रदर्शन करेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। उधर, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि युवती की तलाश के लिए विभिन्न संभावित स्थानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और अन्य माध्यमों की सहायता से जांच आगे बढ़ाई जा रही है। पुलिस का दावा है कि मामले के प्रत्येक पहलू की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही युवती का पता लगाने का प्रयास किया जाएगा।

मोदीनगर में कौशल विकास को नई उड़ान, सिकरी कला में प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तहत मोदीनगर के सिकरी कला में निजी प्रशिक्षण प्रदाता SOFT SOLVE 24X7 PRIVATE LIMITED द्वारा स्थापित नए प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन मंगलवार को मोदीनगर विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने का आह्वान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। प्रशिक्षण केंद्र में युवाओं को फूड प्रोसेसिंग और कंप्यूटर से संबंधित व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, गाजियाबाद के जिला समन्वयक के.डी. मिश्र, एमआईएस मैनेजर अरुण कुमार पाण्डेय, संदीप कुमार, संस्था के निदेशक पंकज सक्सेना तथा संस्था प्रतिनिधि श्रीमती ललिता त्यागी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने और क्षेत्र में रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

साहिबाबाद में बड़ा रेल हादसा: कोयले से लदी मालगाड़ी के 5 डिब्बे पटरी से उतरे, 53 ट्रेनें प्रभावित

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। साहिबाबाद रेलवे स्टेशन के पास देर रात कोयले से लदी एक मालगाड़ी के पांच डिब्बे पटरी से उतर जाने से रेल संचालन बुरी तरह प्रभावित हो गया। हादसा उस समय हुआ जब गाजियाबाद से दिल्ली की ओर जा रही मालगाड़ी का एक डिब्बा अचानक पलट गया और उसके पीछे के चार डिब्बे भी पटरी से उतर गए।

हादसे की सूचना मिलते ही रेलवे, आरपीएफ और इंजीनियरिंग विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और बारिश के बीच युद्धस्तर पर राहत एवं बहाली कार्य शुरू किया गया। प्रभावित ट्रैक पर रेल संचालन तत्काल रोक दिया गया, जिससे किसी बड़े हादसे से बचाव हो सका। रेलवे अधिकारियों के अनुसार दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन इस घटना का रेल यातायात पर व्यापक असर पड़ा।

करीब 53 ट्रेनें प्रभावित हुई हैं, जिनमें कई ट्रेनों को रद्द करना पड़ा, जबकि कुछ के मार्ग में परिवर्तन किया गया। रेलवे की इंजीनियरिंग टीम पटरी से उतरे डिब्बों को हटाने और क्षतिग्रस्त ट्रैक की मरम्मत में जुटी हुई है।

अधिकारियों का कहना है कि जल्द से जल्द रेल यातायात सामान्य करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं, हादसे के कारणों की जांच भी शुरू कर दी गई है।

गाजियाबाद नगर निगम का सबसे बड़ा 'डिजिटल वसूली स्कैम'

पॉलीथिन पर रेड के नाम पर जेब कतरने का 'नेटवर्क', निगम की पर्ची या फजीर्वाड़ा?

4,000 रूपये की संदिग्ध पर्ची और 'पर्सनल Paytm' पर चालान, सरकारी खजाने को चूना या अफसरों/कर्मचारियों की जेब में सीधी 'मलाई'?

पर्यावरण बचाने की मुहीम या छोटे व्यापारियों की कमर तोड़ना?

बाजारों में स्थिति यह है कि बिना किसी पूर्व चेतावनी, बिना किसी आधिकारिक नाप-तौल या विधिवत जब्ती सूची के दुकानदारों को भारी-भरकम जुमार्ने का फरमान थमा दिया जाता है। जो व्यापारी नियम या कानून की बात करता है, उसे दुकान सील करने, सामान जब्त करने या पुलिस बुलाकर आपराधिक मुकदमा दर्ज कराने की धमकी दी जाती है।

पीड़ित दुकानदारों का दर्द

अगर दुकान में दो पॉलीथिन भी मिल गई, तो सीधे 4,000 रूपये की मांग की जाती है। यह पर्यावरण सुधार की नीयत से की गई कार्रवाई नहीं, बल्कि छोटे रेहड़ी-पटरी वालों और व्यापारियों से पैसे ऐंठने का जरिया बन चुका है।

Paytm वाला 'डिजिटल स्कैम': सरकारी राजस्व निजी खाते में क्यों?

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे गंभीर पहलू तब सामने आता है जब व्यापारी नगद रकम न होने की बात कहते हैं। नगर निगम की टीम के सदस्य तुरंत अपना मोबाइल निकालकर व्यक्तिगत Paytm / UPI QR Code आगे बढ़ा देते हैं!

नगर निगम प्रशासन से 5 तीखे सवाल

- 4,000 रूपये का फिक्स रेट किस नियम से? क्या बोर्ड या शासन की तरफ से 4000 रूपये के एकमुश्त चालान की कोई आधिकारिक अधिसूचना है या यह रेट मनमाने ढंग से तय किया गया है?
- निजी Paytm खातों में पैसे लेने की इजाजत किसने दी? सरकारी राजस्व को व्यक्तिगत स्कैनर/UPI पर ट्रांसफर करवाने का दुस्साहस करने वाले कर्मचारियों को किसका संरक्षण प्राप्त है?
- बांटी गई पर्चियों का क्या रिकॉर्ड है? बिना सीरियल नंबर वाली रसीदों से एकत्र किए गए लाखों रुपये नगर निगम के खाते में जमा हुए या आपस में बांट लिए गए?
- प्रवर्तन दल की निगरानी कौन कर रहा है? छापेमारी के दौरान दस्तों के साथ कोई जिम्मेदार राजपत्रित या नोडल अधिकारी क्यों मौजूद नहीं रहता?
- दोषी कर्मचारियों पर कब? व्यापारियों से धोखाधड़ी और सरकारी खजाने को चूना लगाने वाले कर्मचारियों पर निलंबन और आपराधिक मुकदमा कब दर्ज होगा?

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। औद्योगिक और व्यापारिक नगरी गाजियाबाद के मुख्य बाजारों से लेकर गली-मोहल्लों तक इन दिनों नगर निगम की प्रवर्तन टीमों का खौफ छाया हुआ है। लेकिन यह खौफ पर्यावरण संरक्षण या प्रतिबंधित सिंगल-यूज प्लास्टिक को खत्म करने का नहीं, बल्कि 'कार्रवाई' के आवरण में चलाए जा रहे एक विशाल आर्थिक वसूली नेटवर्क का है। शहर के तुराबनगर, घंटाघर, नवयुग मार्केट, शास्त्री नगर, कवि नगर और साहिबाबाद जैसे प्रमुख बाजारों के व्यापारियों में भारी आक्रोश फैल चुका है। नगर निगम के नाम पर कुछ टीमें अचानक दुकानों में घुसती हैं और छोटी-मोटी पॉलीथिन मिलने का हवाला देकर सीधे 4000 रूपये का जुमार्ना ठोक देती हैं।

व्यापारी वर्ग में उबाल: 'हम टैक्स दें या हफ्ता?'

नगर निगम के इस कथित 'वसूली रैकेट' के उजागर होने के बाद व्यापारिक संगठनों में भारी आक्रोश है। व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों का कहना है कि व्यापारी हमेशा पर्यावरण के नियमों का पालन करने को तैयार हैं, लेकिन इस तरह की अनाधिकृत गुंडागर्दी और उगाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। **व्यापारियों का अल्टीमेटम:** यदि 48 घंटे के भीतर फर्जी पर्ची और Paytm वसूली मामले की निष्पक्ष जांच नहीं बिठाई गई, तो गाजियाबाद के सभी मुख्य बाजार अनिश्चितकाल के लिए बंद किए जाएंगे। **इन्स्पेक्टर राज की वापसी:** व्यापारियों का आरोप है कि एक तरफ 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' की बात होती है, वहीं दूसरी तरफ नगर निगम के भ्रष्ट तंत्र द्वारा 'वसूली राज' कायम किया जा रहा है।

सरकारी खजाने को दरकिनार कर अपनी जेबें भरने का यह खेल अकेले किसी छोटे कर्मचारी के वश का नहीं हो सकता। बेखौफ अंदाज में चल रहे इस 'पेटीएम वाले वसूली खेल' पर क्या नगर आयुक्त और महापौर कड़ा प्रहार करेंगे, या फिर मामला जांच की फाइलों में दबा दिया जाएगा? अब निगाहें निगम प्रशासन के अगले कदम पर हैं!

फर्जीवाड़े का खेल: नगर निगम की पर्ची या कागज का फर्जी टुकड़ा?

खोजी पड़ताल में सबसे चौंकाने वाला मोड़ तब आया जब पीड़ित दुकानदारों को दी गई पर्चियों की गहन जांच की गई। सवाल उठना लाजिमी है कि जो पर्ची थमाई जा रही है, वह वास्तव में नगर निगम की अधिकृत रसीद है या फिर उगाही छिपाने का कोई अनाधिकृत कागज? सीरियल और रसीद बुक नंबर गायब: किसी भी सरकारी खजाने (Treasury) द्वारा जारी रसीद पर यूनिक सीरियल नंबर का होना अनिवार्य है। लेकिन बांटी जा रही पर्चियों में से अधिकांश पर न तो कोई बुक नंबर है और न ही प्रिंटेड सीरियल नंबर। सरकारी मुहर और होलोग्राम का न होना: पर्चियों पर गाजियाबाद नगर निगम की आधिकारिक मुहर या बारकोड नदारद है। धाराओं का कोई उल्लेख नहीं: किस नगर निगम अधिनियम या शासन के किस आदेश के तहत 4,000 रूपये का दंड लगाया गया, इसका पर्ची पर कोई जिक्र नहीं है। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, जिस पर्ची पर आधिकारिक मुहर, सीरियल नंबर और कानून की धारा दर्ज न हो, वह वैधानिक रूप से शून्य है और प्रथम दृष्टया धोखाधड़ी और फजीर्वाड़े की श्रेणी में आती है।

पीड़ित व्यापारी बोले

मेरे पास मौके पर 4000 रूपये नगद नहीं थे। टीम के कर्मचारी ने कहा- 'चालान तो कटेगा, इस Paytm नंबर पर ट्रांसफर कर दो, मामला निपटा देंगे।' मैंने पैसे भेज दिए, पर जब पक्की रसीद मांगी तो उसने एक कच्ची पर्ची पर साइन करके थमा दिया। उत्तर प्रदेश वित्तीय नियमों और नगर निगम नियमावली के अनुसार, कोई भी सरकारी दंड केवल अधिकृत बैंक खाते, ढडर मशीन या शासकीय ट्रेजरी में ही जमा हो सकता है। किसी कर्मचारी के व्यक्तिगत खाते में जुमार्ना लेना सीधे-सीधे सरकारी राजस्व की चोरी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम का खुला उल्लंघन है।

गाजियाबाद से भाजपा ने भरी 2027 की चुनावी हुंकार, पंकज चौधरी बोले- कार्यकर्ताओं का जोश दिलाएगा फिर पूर्ण बहुमत

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने मंगलवार को साहिबाबाद स्थित मॉडर्न कॉलेज में आयोजित महानगर एवं जिला कार्यसमिति की संयुक्त बैठक में कार्यकताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि संगठन की मजबूती और कार्यकताओं का समर्पण ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा उत्तर प्रदेश में पुनः पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा एक कार्यकर्ता आधारित संगठन है, जहां साधारण कार्यकर्ता भी अपनी मेहनत और समर्पण के दम पर सर्वोच्च जिम्मेदारी तक पहुंच सकता है। केंद्र और प्रदेश सरकार राष्ट्रवाद, विकास और जनकल्याण के एजेंडे पर लगातार कार्य कर रही हैं, जिसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है।

प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि संगठन को बूथ स्तर तक और मजबूत करने के उद्देश्य से 22 जुलाई को प्रदेश की सभी विधानसभा क्षेत्रों में एक साथ बूथ सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कार्यकताओं से सरकार की योजनाओं और संगठन की नीतियों को घर-घर पहुंचाने का आह्वान किया।

बैठक में संगठन विस्तार, आगामी कार्यक्रमों और चुनावी तैयारियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर ने की। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, मंत्री नरेंद्र कश्यप, विधायक अजीत पाल त्यागी, विधायक मंजू शिवाच, विधायक नंदकिशोर गुर्जर, प्रदेश मंत्री बसंत त्यागी, क्षेत्र मंत्री अंकुर शर्मा, मानसिंह गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांवड़ यात्रा से पहले दिल्ली-गाजियाबाद बॉर्डर पर अलर्ट, ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर पुलिस का संयुक्त निरीक्षण

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। आगामी कांवड़ यात्रा-2026 के मद्देनजर दिल्ली-गाजियाबाद बॉर्डर पर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए गाजियाबाद और दिल्ली पुलिस ने संयुक्त निरीक्षण किया।

मंगलवार को पुलिस उपायुक्त यातायात, गाजियाबाद एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त यातायात ने दिल्ली पुलिस के पुलिस उपायुक्त (यातायात) और यातायात निरीक्षकों के साथ सीमा क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान कांवड़ियों और आम वाहनों के निर्बाध आवागमन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा की गई।

अधिकारियों ने प्रमुख मार्गों की स्थिति का जायजा लेते हुए संभावित यातायात दबाव और वैकल्पिक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रभावी ट्रैफिक प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था तथा आपसी समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए, ताकि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं और आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

रिश्तों का खौफनाक अंत: गाजियाबाद में दो बेटों पर माता-पिता की हत्या का आरोप, इलाके में सनसनी

मृतक माता-पिता

दोनों बेटे दीपक व ललित

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र के भीमनगर में सोमवार को रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली डबल मर्डर की वारदात सामने आई। आरोप है कि दो सगे भाइयों ने पारिवारिक विवाद के दौरान अपने ही माता-पिता पर हमला कर दिया, जिससे दोनों की इलाज के दौरान मौत हो गई।

गंगाशरण, उनकी पत्नी विमलेश और उनके दोनों बेटे दीपक व ललित भीमनगर में एक साथ रहते थे। किसी बात को लेकर परिवार में विवाद हुआ, जो देखते-देखते हिंसक झगड़े में बदल गया।

इस दौरान गंगाशरण और उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उपचार के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने दोनों आरोपित बेटों दीपक और ललित को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं और मामले की गहन जांच जारी है।

स्थानीय लोगों के अनुसार परिवार में अक्सर विवाद होता रहता था। गंगाशरण अखबार की न्यूज एजेंसी चलाते थे, जबकि दोनों बेटे बेरोजगार थे।

दोनों की शादी हो चुकी थी और उनके बच्चे भी हैं, लेकिन बेरोजगारी के कारण उनकी पत्नियां उनके साथ नहीं रहती थीं। बताया जाता है कि पिता बेटों को नौकरी करने के लिए कहते थे, जिससे आए दिन घर में विवाद होता रहता था। पुलिस पूरे मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

महिला सुरक्षा पर जीरो टॉलरेंस: पुलिस आयुक्त बोले-मिशन शक्ति केंद्रों में हर शिकायत का हो समयबद्ध और निष्पक्ष निस्तारण

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिस आयुक्त की अध्यक्षता में पुलिस कार्यालय में मिशन शक्ति केंद्रों के प्रभारियों की समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय एवं अपराध, सहायक पुलिस आयुक्त महिला अपराध, सभी मिशन शक्ति केंद्रों के प्रभारी तथा अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में मिशन शक्ति केंद्रों की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए पुलिस आयुक्त ने सभी केंद्रों पर निर्धारित स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (रडढ) का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा, परामर्श, सहायता और पुलिस सेवाएं एक ही स्थान पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से उपलब्ध कराई जाएं।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि मिशन शक्ति केंद्रों पर प्राप्त प्रत्येक शिकायत का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए उसका निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध निस्तारण किया जाए। किसी भी मामले में अनावश्यक विलंब न हो तथा पीड़ित महिलाओं को हर स्तर पर आवश्यक सहयोग और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए।

पुलिस आयुक्त ने महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता, गोपनीयता और मानवीय दृष्टिकोण अपनाने पर बल देते हुए मिशन शक्ति केंद्रों के माध्यम से चलाए जा रहे जन-जागरूकता अभियानों को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों और उपलब्ध सुरक्षा सेवाओं की जानकारी मिलनी चाहिए।

बैठक के अंत में पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों को बेहतर समन्वय के साथ मिशन शक्ति केंद्रों की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाने के निर्देश दिए, ताकि प्रत्येक पीड़ित महिला को शीघ्र न्याय, आवश्यक सहयोग और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।